Follow us on :

bharatbhaskar.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

भारत भास्कर

हर खबर का असर

डाक पंजीयन - छ.ग. / रायपुर संभाग / 58 / 2021-2023

वर्ष : 15 ● अंक-211 ● रायपुर, बुधवार 30 अगस्त 2023 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य-2 रूपये ● रायपुर, नागपुर, भोपाल, लखनऊ एवं दिल्ली से प्रकाशित ● RNI-CHHHIN/2009/29179

सूर्योदय 6.22
सूर्यास्त 5.38
श्रावण अधि. मास
शुक्ल पक्ष-चतुर्दशी

सुविचार

डरने वालो को नही मिलता कुछ ज़िन्दगी में, लड़ने वालों के कदमो में जहांन होता है।

-स्वदेश तिवारी

3

स्मृति त्रिलोक श्रीवास के नेतृत्व में हजारों लोगों ने किया मुख्यमंत्री व प्रदेश अध्यक्ष का ऐतिहासिक स्वागत

5

छ.ग. संकुल शैक्षिक समन्वयक संघ के जिलाध्यक्ष बने राज कुमार सिंह

7

भाजपा मंडल नरहरपुर के 41 युवा व महिलाओं ने थामा भाजपा का दामनॉ

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में नौकरानी ने की आत्महत्या, नियोक्ता पर केस दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली में एक 20 वर्षीय नौकरानी ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को सूचित किया कि मामले में उसके नियोक्ता के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। मामला गाजीपुर थाने में दर्ज किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, 26 अगस्त को सुबह करीब 6.20 बजे थाने को एक पीसीआर कॉल मिली, जिसमें कॉलर ने कहा कि उनकी घरेलू सहायिका ने आत्महत्या कर ली है। अधिकारी ने कहा, कॉल मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उत्तर प्रदेश के हरदोई की रहने वाली पीड़िता नेहा को एक कमरे में दुपट्टे के सहारे छत के पंखे से लटका हुआ पाया। क्राइम टीम को बुलाया गया और तस्वीरें ली गईं। जांच करने पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला और पीड़िता को एलबीएस अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि पीड़िता के परिवार के सदस्य देर शाम पहुंचे और उनके बयान दर्ज किए गए।

असम में हाई वोल्टेज की चपेट में आने से हाथी की मौत

गुवाहाटी। असम के उदलगुरी जिले में सोमवार को एक जंगली हाथी हाई वोल्टेज बिजली के तार की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। यह घटना सोमवार तड़के जिले के हाथीगढ़ इलाके में एक निजी चाय बागान में हुई, जो भारत-भूटान सीमा से ज्यादा दूर नहीं है। उदलगुरी के प्रभागीय वन अधिकारी दिबाकोर दास ने बताया, हाथी भोजन की तलाश में जंगल से बाहर आया और जब वह कुछ खाद्य पदार्थ इकट्ठा कर रहा था, तो वह हाई वोल्टेज बिजली लाइन के संपर्क में आ गया। दुर्भाग्य से हाथी की मौके पर ही मौत हो गई। खबर मिलते ही वन विभाग की एक टीम मौके पर पहुंची। वन विभाग के अनुसार यह घटना सोमवार सुबह 3:45 बजे के आसपास हुई। मरने वाला हाथी वयस्क था। वहीं, इस महीने की शुरुआत में गुवाहाटी के बाहरी इलाके में बिजली का झटका लगने से तीन हाथियों की मौत हो गई थी। यह घटना कामरूप ग्रामीण जिले के अंतर्गत आने वाले रानी टी एस्टेट में हुई थी। वन विभाग के एक अधिकारी ने कहा, एक हथिनी और दो बच्चे एक सुपारी के पेड़ को गिराने की कोशिश कर रहे थे।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में दो बदमाश घायल, गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। एनसीआर में चेन स्नेचिंग करने वाले दो बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ हुई। इस दौरान पुलिस की गोली से घायल दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों पर एनसीआर में चेन स्नेचिंग के करीब 70 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। यह सुनसान रास्तों पर महिलाओं को तमंचा दिखाकर उनसे चेन स्नैचिंग किया करते थे पुलिस काफी दिनों से उनकी तलाश कर रही थी। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक थाना बिसरख पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान एक बाइक पर 2 संदिग्ध सवार व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया गया।

राखी-ओणम पर जनता को तोहफा

सिलेंडर 200 सस्ता.. उज्ज्वला लाभार्थियों को 400 की छूट

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय कैबिनेट ने घरेलू रसोई गैस सिलेंडर पर 200 रुपये की सब्सिडी देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। केंद्र सरकार महंगाई की मार झेल रही जनता को राहत देने के लिए रक्षाबंधन और ओणम पर बड़ा एलान किया है। गैस सिलेंडर की कीमतों में सभी उपभोक्ताओं को 200 रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी। उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को पहले से मिल रही 200 रुपये की सब्सिडी के अतिरिक्त अलग से 200 रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। यानी उन्हें एक गैस सिलेंडर पर 400 रुपये की छूट मिलेगी। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इसका एलान किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत लोगों को गैस सिलेंडर पर अलग से 200 रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। यानी उन्हें पहले से मिल रही 200 रुपये की सब्सिडी के अलावे अतिरिक्त 200 रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। ऐसे में उन्हें कुल 400 रुपये की सब्सिडी का दोहरा लाभ मिलेगा। इससे पहले एक अगस्त को पेट्रोलियम कंपनियों ने व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 100 रुपये की कटौती की गई थी। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि गैस सिलेंडर सस्ता हुआ फिर एक बार, राखी और ओणम पर देश की करोड़ों बहनों को पीएम ने दिया उपहार। केंद्रीय मंत्री ने रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि 75 लाख महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन भी दिया जाएगा। उन्हें पाइप और चूल्हा भी मुफ्त में दिए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा घरेलू उपयोग के लिए एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में प्रत्येक उपयोगकर्ता के लिए प्रति सिलेंडर 200 रुपये की कमी की गई है। वहीं, 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के तहत 75 लाख नए गैस कनेक्शन दिए जाएंगे। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के लाभार्थियों को पहले से ही 200 रुपये की सब्सिडी मिल रही है। लेकिन दर में कमी से उन्हें भी फायदा होगा, जिसका मतलब है कि 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के लाभार्थियों के लिए दर में कमी 400 रुपये प्रति सिलेंडर होगी। कैबिनेट की बैठक के बारे में बताते हुए अनुराग ठाकुर ने बताया कि पीएम की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। चंद्रयान मिशन 3 की सफलता ने देश और दुनिया में हमारा रुतबा बढ़ाया है। यह सफलता भारत की प्रगति का प्रगति है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब 23 अगस्त को नेशनल स्पेस डे के रूप में मनाया जाएगा। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश है। कैबिनेट ने चंद्रयान 3 जुड़े हर व्यक्ति की सराहना की है। एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कटौती के एलान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, रक्षाबंधन का पर्व अपने परिवार में खुशियां बढ़ाने का दिन होता है। गैस की कीमतों में कटौती होने से मेरे परिवार की बहनों की सहूलियत बढ़ेगी और उनका जीवन और आसान होगा। मेरी हर बहन खुश रहे, स्वस्थ रहे, सुखी रहे, ईश्वर से यही कामना है।

मेरी बहनों का जीवन और आसान होगा-पीएम मोदी

पीएम मोदी ने लिखा, 'रक्षाबंधन का पर्व अपने परिवार में खुशियां बढ़ाने का दिन होता है। गैस की कीमतों में कटौती होने से मेरे परिवार की बहनों की सहूलियत बढ़ेगी और उनका जीवन और आसान होगा। मेरी हर बहन खुश रहे, स्वस्थ रहे, सुखी रहे, ईश्वर से यही कामना है। वहीं, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सरकार के फैसले पर खुशी जताई। उन्होंने ङ्क पर पोस्ट करते हुए पीएम मोदी का आभार जताया। नड्डा ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में आज कैबिनेट द्वारा रसोई गैस की क़ीमत में भारी कटौती का निर्णय लेने के लिए हृदय से आभार। अब उज्जवला लाभार्थियों को रसोई गैस 700 रुपये में और अन्य सभी उपभोक्ताओं को रसोई गैस अब 900 रुपये में मिलेगी। उन्होंने आगे लिखा कि रक्षाबंधन के पावन अवसर पर हमारी नारी शक्ति को पीएम मोदी का उपहार। उनके इस निर्णय से देशभर में 33 करोड़ उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

आंध्र प्रदेश सरकार का बड़ा फैसला

स्कूलों में मोबाइल फोन हुआ बैन शिक्षक भी नहीं करेंगे इस्तेमाल...

अमरावती/ एजेंसी

आज के समय में स्मार्ट गैजेट और मोबाइल फोन का इस्तेमाल काफी तेजी से होने लगा है। इसका बच्चों के दिमाग पर काफी गहरा असर पड़ रहा है। इसको ध्यान में रखते हुए आंध्र प्रदेश सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। दरअसल, अब राज्य भर के स्कूलों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी करते हुए विद्यार्थियों को स्कूलों में मोबाइल फोन लाने और इस्तेमाल करने से रोक लगा दिया है। इतना ही नहीं, विभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, अब शिक्षकों को भी

अपनी कक्षाओं में जाने से पहले अपना फोन हेडमास्टर के पास जमा करना होगा। दरअसल, विभाग की ओर से यह प्रतिबंध इसलिए लगाया गया है, ताकि शिक्षण में किसी तरह की लापरवाही न हो। अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन यूनेस्कोकी वैश्विक शिक्षा निगरानी रिपोर्ट के अनुसार की गई है। यूनेस्को ने स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगाने का समर्थन किया। इसमें कहा गया है कि विश्व स्तर पर चार में से एक देश ने डेटा गोपनीयता, सुरक्षा और बच्चों की भलाई के लिए कानून या नीति के तौर पर इस तरह का प्रतिबंध लगाया है। शैक्षिक क्षेत्र में डिजिटल उत्पादों का काफी तेजी से इस्तेमाल हो रहा है, जिसको ध्यान में रखते हुए यूनेस्को की ओर से चेतावनी दी गई है।स्कूल शिक्षा विभाग ने पहले ही शिक्षकों को कक्षा में मोबाइल फोन का इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की बात कही थी, लेकिन इस आदेश का सख्ती से पालन नहीं किया जा रहा था।

दिल्ली में कुख्यात सद्दाम गौरी-सलमान त्यागी गैंग का सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस अपराध शाखा ने कुख्यात सद्दाम गौरी-सलमान त्यागी गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पुनीत शर्मा उर्फ अनिल के रूप में हुई है। पुनीत शर्मा एक घोषित अपराधी है। पुनीत शर्मा हत्या और हथियार अधिनियम सहित नौ मामलों में शामिल है। विशेष पुलिस आयुक्त अपराध रवीन्द्र सिंह यादव ने बताया कि विशेष सूचना मिली थी कि सद्दाम गौरी-सलमान त्यागी गिरोह का साथी सुभाष नगर का निवासी पुनीत शर्मा।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा कब?

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा- समयसीमा बताएं

नई दिल्ली/एजेंसी।

अनुच्छेद-370 पर दाखिल याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को भी अनुच्छेद-370 पर सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल कब किया जाएगा। इसे लेकर समय सीमा बताएं। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार अपना रुख स्पष्ट करे। वहीं, केंद्र सरकार ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखा। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने का फैसला स्थायी नहीं है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि जब हालात सामान्य होंगे तो जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य बनाया जाएगा। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ अनुच्छेद 370 को रद्द करने के फैसले के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। इसके अलावा याचिकाकर्ताओं ने जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटने को लेकर भी चुनौती दी है, जिस पर भी सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ सुनवाई कर रही है।

सीएम योगी वनखंडेश्वर महादेव पर जलाभिषेक किए

राजसत्ता का सुख दिलाता है मां पीतांबरा सिद्धपीठ-योगी

दतिया/ एजेंसी

यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ दतिया जिले में पहुंचे। यहां हवाई पट्टी पर सीएम योगी का प्लेन उतरा, उसके बाद वे कार से पीतांबरा पीठ मंदिर पहुंचे। तांत्रिक शक्ति पीठ पीतांबरा मंदिर पर पूजा अर्चना किए और फिर महाभारत कालीन वनखंडेश्वर महादेव पर जलाभिषेक किए। इस दौरान पुलिस-प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था चौकस रही। बता दें कि सीएम योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में शासकीय योजनाओं के कार्यक्रम में शामिल

होने पहुंचे थे। सीएम योगी के पीतांबरा आगमन पर दतिया जिला प्रशासन ने मीडिया को कवरेज करने से रोक दिया था। दतिया में स्थित मां पीतांबरा सिद्धपीठ की स्थापना साल 1935 में हुई थी। यहां पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी और फिर राजमाता विजयाराजे सिंधिया तक, सबने माता का आशीर्वाद प्राप्त किया है। ऐसा माना जाता है कि इस स्थान पर आने वाले की मुराद जरूर पूरी होती है। उन्हें राजसत्ता का सुख जरूर मिलता है। मां पीतांबरा को राजसत्ता की देवी माना जाता है। इसी रूप में भक्त उनकी आराधना करते हैं। राजसत्ता की कामना रखने वाले भक्त यहां आकर गुप्त पूजा अर्चना करते हैं। मां पीतांबरा शत्रु नाश की अधिष्ठात्री देवी है और राजसत्ता प्राप्ति में मां की पूजा का विशेष महत्व होता है।

उपराज्यपाल ने शहीद मोहम्मद उमर डार के पिता को सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक सौंपा

श्रीनगर। मोहम्मद उमर डार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू द्वारा सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक मरणोपरांत से सम्मानित किया गया। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने राजभवन में शहीद नागरिक श्री मोहम्मद उमर डार के पिता श्री गुलाम मोहम्मद डार को सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक, प्रशस्ति पत्र और एक चेक सौंपा। मोहम्मद उमर डार और उनके भाई इशफाक अहमद डार, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस में एसपीओ के रूप में कार्यरत थे, को चट्टाबुघ बडगाम में उनके घर के अंदर आतंकवादियों ने मार डाला। उपराज्यपाल ने मोहम्मद उमर डार को श्रद्धांजलि अर्पित की ।

कहा-एमएलए मामन खान दंगाइयों के टच में थे

नूंहहिंसा पर गृहमंत्री विज बोले कांग्रेस वर्कर्रों ने तोड़फोड़ की

चंडीगढ़/ एजेंसी

हरियाणा में नूंह हिंसा को लेकर गृहमंत्री अनिल विज ने कहा कि अब तक पकड़े गए उपद्रवियों ने पूछताछ में बताया है कि वह फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस विधायक मामन खान के टच में थे। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शहर में तोड़फोड़ की है। वह जहां-जहां गए वहां-वहां हिंसा हुई। विज ने कहा कि जिस तरह से पाकिस्तान से सारे वीडियो दिखाए गए, इस मामले की भी जांच करा रहे हैं। मामन खान को गुरुग्राम पुलिस की ओर से नोटिस दिया गया है,

जिसमें उन्हें 30 अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। अनिल विज ने बताया कि अभी तक की जांच में पता चला है कि हिंसा से पहले मामन खान ने 28, 29 और 30 जुलाई को दौरा किया था। जहां-जहां वह गए थे वहां-वहां हिंसा हुई है। मामन खान दंगा प्रभावित इलाकों के लोगों के साथ लाइव कांटेक्ट में रहा। इसके अलावा भी बहुत सारी बातें सामने आ रही हैं। अनिल विज ने बताया कि पुलिस इस मामले की निष्पक्ष जांच कर रही है। हम लोगों के सामने दिखाएंगे कि नूंह हिंसा का मास्टरमाइंड कौन है। पाकिस्तान से ये वीडियो फोटो शेयर किए जा रहे थे इस मामले को भी जांचा जा रहा है। नूह हिंसा मामले में साइबर थाने के रिकॉर्ड को उपद्रवियों ने डैमेज किया है। सभी मामले की जांच की जारी की क्या क्या बचा है और क्या क्या मिस है।

चंद्रयान-3 से उम्मीदें: हाइड्रोजन की खोज जारी

रोवर को ऑक्सीजन की मौजूदगी के प्रमाण मिले,सल्फर भी मौजूद

नई दिल्ली/ एजेंसी

चांद की सतह पर ऐतिहासिक लैंडिंग के बाद चंद्रयान-3 अपने मिशन में जुटा हुआ है। इसी क्रम में रोवर पर लगे लगे लेजर इन्ड्यूड ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप (एलआईबीएस) उपकरण ने चांद की सतह पर ऑक्सीजन की पुष्टि की है। इसके अलावा चंद्रमा की सतह पर एल्युमीनियम, सल्फर, कैल्शियम , आयरन, क्रोमियम और टाइटेनियम की मौजूदगी का भी का खुलासा हुआ है। चांद की सतह पर मैंगनीज और सिलिकॉन की उपस्थिति का भी पता चला है। इसरो के मुताबिक, हाइड्रोजन की मौजूदगी के संबंध में गहन जांच चल रही है। दरअसल, रोवर पर लगे लेजरयुक्त ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोपी (एलआईबीएस) उपकरण ने दक्षिणी ध्रुव के पास चंद्र सतह की मौलिक संरचना पर पहली बार इन-सीटू मूल्यांकन किया। एलआईबीएस एक वैज्ञानिक तकनीक है, जो सामग्रियों को तीव्र लेजर पल्स के संपर्क में लाकर उनकी संरचना का विश्लेषण करती है। एलआईबीएस पेलोड को इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स सिस्टम (एलईओएस) इसरो, बेंगलुरु की प्रयोगशाला में विकसित किया गया है। इस बीच, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मंगलवार को चंद्रयान 3 के प्रज्ञान रोवर को लेकर एक ताजा अपडेट दिया है। इसरो ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) एकाउंट पर पोस्ट कर बताया कि रोवर अब चंद्रमा के रहस्यों को उजागर करने की राह पर है। इसरो इनसाइट ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि नमस्कार पृथ्वीवासियों! यह चंद्रयान 3

का प्रज्ञान रोवर है। मुझे आशा है कि आप अच्छे होंगे। मैं हर किसी को बताना चाहता हूं कि मैं चंद्रमा के रहस्यों को उजागर करने के रास्ते पर हूं। मैं और मेरे दोस्त विक्रम लैंडर संपर्क में हैं। हम अच्छी तरह से हैं। इससे पहले, 28 अगस्त को इसरो ने चंद्र सतह पर प्रज्ञान रोवर की राह में आए चार मीटर व्यास वाले गड्ढे के बारे में जानकारी दी थी। इसरो ने बताया कि इसके बाद रोवर को निर्देश भेजे गए। रोवर ने अपना रास्ता बदला और खतरे से बचते हुए नई दिशा में आगे बढ़ गया। यह घटना 27 अगस्त की है। इसरो ने कहा कि रोवर अब सुरक्षित रूप से नए रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। इसरो ने इससे जुड़ी दो तस्वीरें भी जारी की हैं। पहली तस्वीर में नेविगेशन कैमरे के जरिए यह दिखाई दे रहा है कि रोवर प्रज्ञान की राह में कैसे आगे की तरफएक बड़ा गड्ढा मौजूद है। रोवर जब अपने स्थान से तीन मीटर आगे चला, तब वहां यह गड्ढा मौजूद था। दूसरी तस्वीर में नेविगेशन कैमरा बता रहा है कि कैसे रोवर ने बाद में रास्ता बदला और अब वह नए रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। चंद्रमा पर विशालकाय गड्ढों की अच्छी खासी संख्या है। गहरे गड्ढों में सदियों से सूर्य का प्रकाश नहीं पहुंचा है। इन क्षेत्रों में तापमान माइनस 245 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। चंद्रमा की सतह पर उल्कापिंड का गिरना, ज्वालामुखी फटना या भूगर्भ में किसी अन्य कारण से हुए विस्फोट के चलते ये विशालकाय आकार के गड्ढे बने हुए हैं।

चंद्रयान-3 चांद की सतह पर अभी क्या कर रहा है

इसरो ने शनिवार को बताया था कि चंद्रयान-3 मिशन के तीन उद्देश्यों में से दो हासिल कर लिए गए हैं, जबकि तीसरे पर काम चल रहा है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी ने यह भी कहा कि चंद्रयान-3 मिशन के सभी पेलोड सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। दरअसल, मिशन में शामिल सात उपकरणों से काम लेना और चांद की सतह से डाटा इकट्ठा करना ही इसका तीसरा उद्देश्य है। जानकारी के मुताबिक, अंतरिक्ष यान ने अपने उपकरणों द्वारा किए जा रहे वैज्ञानिक प्रयोगों से महत्वपूर्ण डाटा जारी करना शुरू कर दिया है। रविवार को इसरो ने (चंद्रमा का सतही तापीय प्रयोग) उपकरण द्वारा किए गए अवलोकनों से अपनी तरह का पहला डाटा जारी किया। विक्रम लैंडर में लगे उपकरण का उद्देश्य चंद्रमा की सतह की तापीय चालकता का अध्ययन करना है।

रक्षाबंधन पर भाई से पहले बांधें इन 5 देवताओं को राखी

रक्षाबंधन पर भाई के अलावा भगवान, वाहन, पालतू पशु, द्वार आदि कई जगहों पर राखी को बांधा जाता है। इसके पीछे मान्यता यह है कि हमारी रक्षा के साथ ही सभी की रक्षा हो। आओ जानते हैं कि रक्षा बंधन पर खासतौर पर किन देवताओं को बांधी जाती है राखी।

गणपति

गणपति जी प्रथम पूज्य देवता हैं। किसी भी प्रकार का मांगलिक कार्य करने के पूर्व उन्हीं की पूजा करते हैं। इसीलिए सबसे पहले उन्हें ही राखी बांधी जाती है। गणपतिजी की बहनें अशोक सुंदरी, मनसा देवी और ज्योति हैं।

शिवजी

श्रावण माह शिवजी का माह है और इसी माह की पूर्णिमा को रक्षा बंधन का त्योहार मनाते हैं। प्रचलित मान्यता अनुसार कहते हैं कि भगवान शिव की बहन असावरी देवी थीं।

हनुमानजी

हनुमानजी शिवजी के रुद्रावतार हैं। जब देव सो जाते हैं तो शिवजी भी कुछ समय बाद सो जाते हैं और वे रुद्रावतार रुप में सृष्टि का संचालन करते हैं। इसीलिए श्रावण माह में हनुमानजी की विशेष रूप से पूजा होती है। सभी संकटों से बचने के लिए हनुमानजी को राखी बांधते हैं।

कान्हाजी

शिशुपाल का वध करते वक्त श्रीकृष्ण के हाथ से खून बने लगा तो द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर उनके हाथ में बांध दिया था। इस कार्य के बदले में श्रीकृष्ण ने द्रौपदी को संकट के समय उसकी रक्षा करने का वचन दिया था। ऐसा भी कहा जाता है कि जब युधिष्ठिर ने भगवान कृष्ण से पूछा कि मैं सभी संकटों को कैसे पार कर सकता हूं, तब कृष्ण ने उनकी तथा उनकी सेना की रक्षा के लिए राखी का त्योहार मनाने की सलाह दी थी। श्रावण माह में श्रीकृष्ण की पूजा का भी खास महत्व है क्योंकि भादो में उनका जन्म हुआ था तो एक माह पूर्व से ही ब्रजमंडल में उनके जन्मोत्सव की धूम रहती हैं

नागदेव

मनसादेवी के भाई वासुकि सहित सभी नागों की नाग पंचमी के दिन पूजा होती हैं। रक्षा बंधन पर नागदेव को भी राखी अर्पित करने की परंपरा है। नाग देव सभी तरह के सर्प योग और भय से मुक्त करते हैं।

रक्षा बंधन के दिन सबसे पहले गणेशजी को राखी बांधना चाहिए। इसके बाद अन्य देवी-देवताओं, कुल देवता और अपने इष्ट देव को भी राखी बांधनी चाहिए।

5 पवित्र चीजों से घर में ही बनाएं वैदिक राखी

रक्षाबंधन का पर्व वैदिक विधि से मनाना श्रेष्ठ माना गया है। इस विधि से वैदिक राखी बनाने और भाई की कलाई पर बांधने सेभाई का जीवन सुखमय और शुभ बनता है। शास्त्रानुसार इसके लिए पांच वस्तुओं का विशेष महत्व होता है, जिनसे रक्षासूत्र का निर्माण किया जाता है। इनमें दूर्वा (घास), अक्षत (चावल), केसर, चंदन और सरसों के दाने शामिल हैं। इन 5 वस्तुओं को रेशम के कपड़े में बांध दें या सिलाई कर दें, फिर उसे कलावे में पिरो दें। इस प्रकार वैदिक राखी तैयार हो जाएगी।

पांच वस्तुओं का महत्व

दूर्वा (घास)- जिस प्रकार दूर्वा का एक अंकुर बो देने पर तेजी से फैलता है और हजारों की संख्या में उग जाता है। उसी प्रकार रक्षाबंधन पर भी कामना की जाती है कि भाई का वंश और उसमें सदगुणों का विकास तेजी से हो। सदाचार, मन की पवित्रता तीव्रता से बढ़ती जाए। दूर्वा विघ्नहर्ता गणेश जी को प्रिय है अर्थात हम जिसे राखी बांध रहे हैं, उनके जीवन में विघ्नों का नाश हो जाए।

अक्षत (चावल)- हमारी परस्पर एक दूजे के प्रति श्रद्धा कभी क्षत-विक्षत ना हो सदा अक्षत रहे।

केसर- केसर की प्रकृति तेज होती है अर्थात हम जिसे राखी बांध रहे हैं, वह तेजस्वी हो। उनके जीवन में आध्यात्मिकता का तेज, भक्ति का तेज कभी कम ना हो।

चंदन- चंदन की प्रकृति शीतल होती है और यह सुगंध देता है। उसी प्रकार उनके जीवन में शीतलता बनी रहे, कभी मानसिक तनाव ना हो। साथ ही उनके जीवन में परोपकार, सदाचार और संयम की सुगंध फैलती रहे।

सरसों के दाने- सरसों की प्रकृति तीक्ष्ण होती है अर्थात्इससे यह संकेत मिलता है कि समाज के दुर्गुणों को, कंटकों को समाप्त करने में हम तीक्ष्ण बनें। सरसों के दाने भाई की नजर उतारने और बुरी नजर से भाई को बचाने के लिए भी प्रयोग में लाए जाते हैं।

कैसे बांधें यह राखी- इस प्रकार इन पांच वस्तुओं से बनी हुई एक राखी को सर्वप्रथम भगवान के चित्र पर अर्पित करें। फिर बहनें अपने भाई को, माता अपने बच्चों को, दादी अपने पोते को शुभ संकल्प करके बांधें। इस प्रकार इन पांच वस्तुओं से बनी हुई वैदिक राखी को शास्त्रोक्त नियमानुसार बांधते हैं, वह पुत्र-पौत्र एवं बंधुजनों सहित वर्षभर सुखी रहते हैं।

राखी बांधने का मंत्र- राखी को सर्वप्रथम भगवान के चित्र पर अर्पित करें। फिर बहनें अपने भाई को, माता अपने बच्चों को, दादी अपने पोते को शुभ संकल्प करके बांधें। राखी बांधते समय बहन अवश्य बोलें यह मंत्र-

येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबल:।
तेन त्वां अभिबद्धनामि रक्षे मा चल मा चल।।

शिष्य गुरु को रक्षासूत्र बांधते समय यह मंत्र बोलें

'अभिबद्धनामि' के स्थान पर 'रक्षबद्धनामि कहे।

रक्षासूत्र बांधते समय मिठाई या गुड़ से मुंह मीठा कराना ही उत्तम रहता है।

श्रावण माह की पूर्णिमा रक्षा बंधन का त्योहार और शुभ संयोग

इस वर्ष 11 12 अगस्त को रक्षा बंधन का पर्व मनाया जाएगा। यह त्योहार बहन-भाई के बीच प्रेम का प्रतीक है। इसमें बहन अपने भाई को तिलक लगाकर उसके दीर्घायु होने की कामना करती है। यह पर्व श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। रक्षा बंधन का पर्व वैदिक विधि और शुभ योग में मनाना श्रेष्ठ माना गया है। इस विधि से मनाने पर भाई का जीवन सुखमय और शुभ बनता है।

रक्षा बंधन पर बन रहे हैं 2 बहुत शुभ योग

इस वर्ष रक्षा बंधन पर 2 शुभ योग बन रहे हैं। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार, पहला है शोभन योग, जो 22 अगस्त को सुबह 1034 मिनट तक बना रहेगा। ऐसे में सुबह 10:34 मिनट तक राखी बंधवा लेना अतिउत्तम रहेगा। ज्योतिष में शोभन योग को शुभ कार्यों और मांगलिक कार्य के लिए श्रेष्ठ मुहूर्त माना जाता है। इस समय काल में आप बहन के यहां जाकर राखी बंधवाते हैं तो यह भी शुभकारी रहेगा। इस दिन रक्षा बंधन पर दूसरा योग धनिष्ठा नक्षत्र का बन रहा है। धनिष्ठा नक्षत्र रक्षा बंधन के दिन शाम को 0740 मिनट तक बना रहेगा।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार धनिष्ठा का स्वामी ग्रह मंगल है। अत: धनिष्ठा नक्षत्र में जन्मे लोगों का अपने भाई-बहन से विशेष प्रेम होता है। अत: रक्षा बंधन पर धनिष्ठा नक्षत्र का होना, भाई-बहन के आपसी प्रेम को अधिक बढ़ाने वाला होगा।

इस बार श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि 21 अगस्त, शनिवार को शाम 7 बजे से प्रारंभ हो रही है, वहीं इसका समापन 22 अगस्त, रविवार को शाम 05 बजकर 31 मिनट पर होगा। अत: उदयातिथि 22 अगस्त को प्राप्त हो रही है, इसलिए रक्षा बंधन का त्योहार 22 अगस्त को उत्साह के साथ मनाया जाएगा।

रक्षाबंधन पर पूरे दिन रहेगा भद्रा का साया, जानें कब से कब तक बांध सकते हैं राखी

भाई-बहन के प्रेम का पर्व रक्षा बंधन पर इस साल भद्रा का साया है। यह पर्व हर साल श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। लेकिन इस बार पूर्णिमा तिथि लगने के साथ ही भद्रा लग रहा है। इसकी वजह से रक्षा बंधन मनाने की तिथि को लेकर भ्रम की स्थिति है। ज्योतिषियों के मुताबिक, 30 अगस्त को रात में भद्रा समाप्त होने के बाद राखी बांधी जा सकती है। साथ ही, 31 अगस्त को सुबह में भी राखी बांधी जा सकती है।

आचार्य सुरेंद्र मिश्र ने कहा कि हिंदू धर्म के मुहूर्त, तिथि और काल का बहुत महत्व है। शास्त्र के अनुसार, अगर श्रावण पूर्णिमा पर भद्रा का साया है, तो राखी नहीं बांधना चाहिए। भद्रा के समाप्त होने के बाद ही राखी बांधनी चाहिए। भद्रा काल में राखी बांधना शुभ नहीं माना जाता है।

आचार्य आशीष कुमार तिवारी ने कहा कि इस बार श्रावण पूर्णिमा तिथि दो दिन यानी 30 और 31 अगस्त को पड़ रही है। 30 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा तिथि पर रात 9.01 बजे तक भद्रा का साया भी रहेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रक्षाबंधन का त्योहार भद्रा का साया रहने पर नहीं मनाया जाता है। भद्रा काल में बहनों को भाई की कलाई पर राखी बांधना वर्जित होता है। उन्होंने कहा कि 30 अगस्त को सुबह 10.58 बजे से भद्रा लग जाएगी और रात 9.01 बजे तक रहेगी। इस साल भद्रा रक्षाबंधन के दिन पृथ्वी पर वास करेंगी, जिस कारण से भद्रा में राखी बांधना शुभ नहीं रहेगा। वहीं, दूसरी तरफ श्रावण पूर्णिमा 31 अगस्त को सुबह 7.05 मिनट पर खत्म हो जाएगी। इसलिए रात में भद्रा खत्म होने के बाद और 31 अगस्त को सुबह 7.07 बजे से पहले राखी बांध सकते हैं।

रक्षाबंधन का त्योहार हर साल श्रावण पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। इसके पहली वाली पूर्णिमा गुरु-पूर्णिमा थी, जो गुरु और शिक्षकों को समर्पित थी। उसके पहले बुद्ध पूर्णिमा थी, और उसके भी पहले चैत्र-पूर्णिमा थी। तो इस चौथी पूर्णिमा को श्रावण-पूर्णिमा कहते हैं, और ये वाला पूरा चाँद भाई-बहन के प्रेम और कर्तव्य के सम्बन्ध को समर्पित है। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि को रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाता है। इसे आमतौर पर भाई-बहनों का पर्व मानते हैं लेकिन, अलग-अलग स्थानों एवं लोक परम्परा के अनुसार अलग-अलग रूप में रक्षाबंधन का पर्व मानते हैं। वैसे इस पर्व का संबंध रक्षा से है। जो भी आपकी रक्षा करने वाला है उसके प्रति आभार दर्शाने के लिए आप उसे रक्षासूत्र बांध सकते हैं।

भाई-बहनों के पावन प्रेम का प्रतीक

है रक्षाबंधन

राखी या रक्षाबंधन का त्योहार हर साल श्रावण पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। रक्षाबंधन भाई-बहनों का वह त्योहार है तो मुख्यत: हिन्दुओं में प्रचलित है पर इसे भारत के सभी धर्मों के लोग समान उत्साह और भाव से मनाते हैं। पूरे भारत में इस दिन का माहौल देखने लायक होता है और हो भी क्यू ना, यही तो एक ऐसा विशेष दिन है जो भाई-बहनों के लिए बना है। आज ही के दिन यज्ञोपवीत बदला जाता है।

यूं तो भारत में भाई-बहनों के बीच प्रेम और कर्तव्य की भूमिका किसी एक दिन की मोहताज नहीं है पर रक्षाबंधन के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व की वजह से ही यह दिन इतना महत्वपूर्ण बना है। बरसों से चला आ रहा यह त्योहार आज भी बेहद हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। हिन्दू श्रावण मास (जुलाई-अगस्त) में पूर्णिमा के दिन मनाया जाने वाला यह त्योहार भाई का बहन के प्रति प्यार का प्रतीक है। रक्षाबंधन पर बहनें भाइयों की दाहिनी कलाई में राखी बांधती हैं, उनका तिलक करती हैं और उनसे अपनी रक्षा का संकल्प लेती हैं। हालांकि रक्षाबंधन की व्यापकता इससे भी कहीं ज्यादा है। राखी बांधना सिर्फ भाई-बहन के बीच का कार्यकलाप नहीं रह गया है। राखी देश की रक्षा, पर्यावरण की रक्षा, हितों की रक्षा आदि के लिए भी बांधी जाने लगी है। रक्षाबंधन के त्योहार का इतिहास हिंदू पुराण कथाओं में है। वामनावतार नामक पौराणिक कथा में रक्षाबंधन का प्रसंग मिलता है।

आज यह त्योहार हमारी संस्कृति की पहचान है और हर भारतवासी को इस त्योहार पर गर्व है। लेकिन भारत में जहां बहनों के लिए इस विशेष पर्व को मनाया जाता है वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो भाई की बहनों को गर्भ में ही मार देते हैं। आज कई भाइयों की कलाई पर राखी सिर्फ इसलिए नहीं बंध पाती क्योंकि उनकी बहनों को उनके माता-पिता ने इस दुनिया में आने ही नहीं दिया।

यह बहुत ही शर्मनाक बात है कि जिस देश में कन्या-पूजन का विधान शास्त्रों में है, वहीं कन्या-भ्रूण हत्या के मामले सामने आते हैं। यह त्योहार हमें यह भी याद दिलाता है कि बहनें हमारे जीवन में कितना महत्व रखती हैं। अगर हमने कन्या-भ्रूण हत्या पर जल्द ही काबू नहीं पाया तो मुमकिन है एक दिन देश में लिंगानुपात और तेजी से घटेगा और सामाजिक असंतुलन भी। इस दिन सभी भाइयों-बहनों को एक-दूसरे के प्रति प्रेम, कर्तव्य और एक-दूसरे की रक्षा का दायित्व लेते हुए शुभकामनाओं तथा शुभाशीष के के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाना चाहिए।

ऐसे सजाएं राखी की थाली, ये चीजें जरूर रखें

राखी का पावन पर्व नजदीक आ चुका है। इस दिन भाइयों की कलाई पर खूबसूरत राखियां सजेंगी, लेकिन इससे पहले जानते हैं कि राखी की थाली कैसे सजाएं.राखी की थाली सजाते समय इन चीजों को अवश्य शामिल करें।

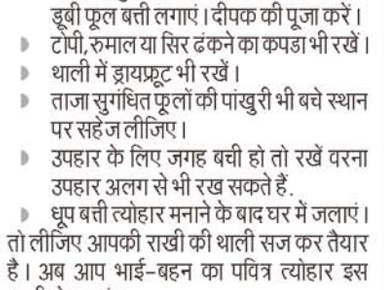

- सबसे पहले चांदी, पीतल, स्टील या तांबे की साफ स्वच्छ थाली लीजिए।
- अब इस थाली को गंगाजल से पवित्र कीजिए।
- थाली के दाएं तरफ गंगाजल का छोटा कलश रखें। कलश की पूजा करें।
- थाली के बाएं तरफ विषम संख्या में राखियों को खोल कर रख लीजिए।
- अब जो थाली में जगह बची है उसमें दाएं तरफ गंगाजल के पास एक से अधिक मिठाई रख लीजिए।
- थाली के सामने वाले हिस्से में कुमकुम, चावल (अधिक मात्रा में), केशर के धागे, सरसों के दाने, दूर्वा, मिश्री, हल्दी, 5 लौंग, 1 सुपारी, 1 पान कोर, एक पान बीडा और 5 पूजा बादाम सजाएं।
- 1,5,10 का सिक्का या चांदी का सिक्का साथ में रखें।
- श्रीफल पर स्वस्तिक बना कर रखें।
- मौली और छोटे फुंदे रखें।
- पूजा की थाली में दही-मिश्री भी रखें। यह शुभ कार्य का प्रतीक है।
- अब चांदी, पीतल, मिट्टी, कांसे या अन्य पवित्र धातु का दीपक लें। इस दीपक में घी में डूबी फूल बत्ती लगाएं। दीपक की पूजा करें।
- टोपी, रुमाल या सिर ढंकने का कपडा भी रखें।
- थाली में ड्रायफ्रूट भी रखें।
- ताजा सुगंधित फूलों की पांखुरी भी बचे स्थान पर सहेज लीजिए।
- उपहार के लिए जगह बची हो तो रखें वरना उपहार अलग से भी रख सकते हैं.
- धूप बत्ती त्योहार मनाने के बाद घर में जलाएं।

तो लीजिए आपकी राखी की थाली सज कर तैयार है। अब आप भाई-बहन का पवित्र त्योहार इस थाली से मनाएं।

रक्षा बंधन की राखी को पौराणिक काल में क्या कहा जाता था

- **मणिबंध :** प्राचीनकाल में सबसे पहले मणिबंध नाम का प्रचलन था। हाथों की कलाई को मणिबंध कहते हैं। वैदिक काल में यज्ञ के दौरान, मांगलिक कार्यों के दौरान एक सूत का धागा बांध कर संकल्प मंत्र पढ़ा जाता था, जो आज भी प्रचलन में है। इस सूत के धागे को मणिबंध कहते थे।
- **मौली :** यह मणिबंध का विकसित रूप माना जा सकता है। जैसे पहले मात्र सूत के तीन सफेद धागे ही हल्दी में रंग कर बांधे जाते थे परंतु बाद में तीनों धागे अलग अलग रंगे के हो गए। लाल, पीले और हरे रंग में रंगे जाने लगे थे। कभी कभी यह पांच रंगी में होते हैं। जिसमें नीला और सफेद रंग भी होता है। तीन रंग त्रिदेव के प्रतीक और 5 रंग पंचदेव के प्रतीक माने गए। मौली को हाथ की कलाई, गले और कमर में बांधा जाता है.
- **कलावा :** कलाई बर बांधे जाने के कार इसे कलावा कहते हैं। इस ही मौली और नाड़ा भी कहते हैं।
- **रक्षा सूत्र :** मणिबंध, मौली या कलावा सभी को संकल्प और रक्षा सूत्र कहा जाता है। यदि मन्नत मांगी है तो इस मन्नत का धागा भी कहते हैं। मन्नत मांगते वक्त भी संकल्प व्यक्त किया जाता है कि मेरी मन्नत पूर्ण हुई तो मैं प्रसाद चढ़ाऊंगा या यथाशक्ति कोई भी कार्य करूंगा।
- **राखी :** उक्त रक्षा सूत्र के कारण ही रक्षा बंधन पर राखी का प्रचलन हुआ। भाई-बहन के इस पवित्र त्योहार को प्रचीनकाल में अलग रूप में मनाया जाता था। पहले सूत का धागा होता था, फिर नाड़ा बांधने लगे, फिर नाड़े जैसा एक फुंदा बांधने का प्रचलन हुआ और बाद में पक्के धाके पर फोम से सुंदर फुलों को बनाकर चिपकाया जाने लगा जो राखी कहलाने लगी। वर्तमान में तो राखी के कई रूप हो चले हैं। राखी कच्चे सूत जैसे सस्ती वस्तु से लेकर रंगीन कलावे, रेशमी धागे, तथा सोने या चाँदी जैसी मँहगी वस्तु तक की हो सकती है।

सार-समाचार

संविदा (अस्थाई) भर्ती हेतु दस्तावेज सत्यापन एवं साक्षात्कार की तिथि निर्धारित

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर पशु चिकित्सा संस्थाओं में पशु चिकित्सा सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु रिक्त पदों की पूर्ति के संबंध में स्थानीय व्यवस्था के तहत जिला प्रशासन के डी.एम.एफ मद से सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों के पदों पर संविदा नियुक्ति के लिए पात्र अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है। दावा आपत्ति पश्चात भर्ती हेतु विज्ञापन के परिपालन में दस्तावेज सत्यापन (04 सितम्बर 2023 एवं 05 सितम्बर 2023 समय प्रात: 10:30 से दोपहर 12:30 बजे तक) एवं साक्षात्कार (04 सितम्बर 2023 एवं 06 सितम्बर 2023 समय प्रात: 11:00 बजे से) हेतु चयनित आवेदकों की सूची एवं सूचना जिले के छप्ब् की वेबसाइट ेनतंरचनतण्हवअण्पद पर अपलोड किया गया है एवं कार्यालय, उप-संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं जिला सूरजपुर के सूचना पटल में चस्पा की गयी है। दस्तावेज सत्यापन एवं साक्षात्कार हेतु चयनित आवेदक संलग्न सूची अनुसार कार्यालय, उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं, जिला सूरजपुर में मूल दस्तावेजों के साथ निर्धारित तिथि में प्रात: 10 00 बजे अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे। उक्त अनुसार उपस्थित नहीं होने पर कार्यवाही हेतु आवेदक स्वयं जिम्मेदार होंगे।

29 अगस्त से जिले भर में पिलाई जाएगी विटामिन-ए तथा आयरन सिरप की दवा

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर आज नगर के नगर पालिका अध्यक्ष श्री के.के. अग्रवाल, पत्रकार संघ के अध्यक्ष श्री प्रवेश गोयल, पार्षद श्री संतोष सोनी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.एस. सिंह, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. के.एल. ध्रुव, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. अजय मरकाम तथा अन्य जनप्रतिनिधियों सहित शिशुवती माताओं की उपस्थिति में जिला अस्पताल के सभाकक्ष में शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ 09 माह से 05 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन-ए तथा 06 माह से 05 वर्ष के बच्चों को आयरन फोलिक एसिड की दवा पिलाकर किया गया। जिले में शिशु संरक्षण माह कार्यक्रम 29 अगस्त से 29 सितंबर 2023 तक चलाया जाऐगा। इस कार्यक्रम में समस्त 09 माह से 05 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन-ए तथा आयरन की दवा पिलाई जाएगी एवं अति कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन कर उन्हें पोषण पुनर्वास केन्द्रों में भेजकर पोषण आहार एवं व्यवहार की जानकारी दी जायेगी। अभियान के दौरान 06 माह से 05 वर्ष तक के बच्चों को आगनबाड़ी केन्द्रो में प्रात: 09 बजे से शांय 04 बजे तक प्रत्येक सप्ताह के मंगलवार एवं शुक्रवार को सेवा प्रदाय की जायेगी, इस कार्यक्रम की निगरानी राज्य जिला तथा विकास खण्ड स्तर से किया जायेगा ताकि एक भी बच्चा दवा पीने से छूटे नहीं उपस्थित समारोह के प्रतिनिधियों तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जिले के समस्त नागरिकों से अपील की गई है कि उक्त कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दें तथा इस कार्यक्रम को सफल बनावें।

श्रवण बाधित एवं मुकबधिर बालिकाओं का मौके पर बना राशन कार्ड

रायगढ़। रायगढ़ के ग्राम कुसमुरा निवासी श्रीमती राम बाई एवं पति श्री दिलचंद अपनी बेटियां दिपिका, प्रेमलता एवं गंगाबाई के साथ जन चौपाल में राशन कार्ड एवं दिव्यांग पेंशन की मांग हेतु आवेदन लेकर पहुंचे थे। उनके पिता श्री दिलचंद ने बताया कि उनकी तीनों बेटियां व पत्नी शत-प्रतिशत श्रवण एवं मुकबधिर हैं। उन्होंने राशन कार्ड एवं दिव्यांग पेंशन प्रदान करने के लिए निवेदन किया।

कलेक्टर श्री सिन्हा ने उनके पिता से बेटियों की शिक्षा की जानकारी ली। कलेक्टर श्री सिन्हा ने बेटियों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने पर उनके पिता की सराहना की और मौके पर ही उन्होंने राशन कार्ड प्रदान किया एवं पेंशन प्रकरण की अतिशीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने उनकी दो बेटियों की आगे की शिक्षा हेतु समाज कल्याण, शिक्षा विभाग तथा स्व-रोजगार के लिए सिलाई मशीन प्रदान करने श्रम विभाग को निर्देशित किया। इसी तरह विकासखण्ड तमनार के ग्राम-धौराभांठा निवासी गोकुलचंद खम्हारी राशन कार्ड के संबंध में आवेदन लेकर पहुंचे थे। जिन्हें मौके पर ही राशन कार्ड प्रदाय किया गया।

स्मृति त्रिलोक श्रीवास के नेतृत्व में हजारों लोगों ने किया मुख्यमंत्री व प्रदेश अध्यक्ष का ऐतिहासिक स्वागत

बिलासपुर :- प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर प्रत्येक विधानसभा में किए जा रहे संकल्प शिविर में बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के बहतराई स्व. बी. आर. यादव स्टेडियम में आज संकल्प शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज सहित वरिष्ठ नेता सम्मिलित हुए, इस अवसर पर जिले के लोकप्रिय कांग्रेस नेता व पिछड़ा वर्ग के राष्ट्रीय नेता, प्रदेश कांग्रेस के सचिव त्रिलोक चंद्र श्रीवास के मार्गदर्शन में, जिला पंचायत एवं जिला योजना समिति की सदस्य श्रीमती स्मृति त्रिलोक श्रीवास के नेतृत्व में पहुंचे हजारों लोगों ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज का ऐतिहासिक स्वागत अभिनंदन किया, संकल्प शिविर में संबोधन के पहले मुख्यमंत्री का रास्ते में त्रिलोक श्रीवास समर्थकों ने आतिशबाजी, ढोल, ताशे, कर्म दल पंथी, पुष्प वर्षा से ऐतिहासिक स्वागत किया, इस अवसर पर त्रिलोक श्रीवास के समर्थक डेढ़ किलोमीटर तक पंक्तिबद्ध हाथों में फूल, झंडा लिए कतार से मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के स्वागत के लिए खड़े थे, मुख्यमंत्री ऐसा ऐतिहासिक स्वागत देखकर अभिभूत नजर आए, उन्होंने स्टेज पर त्रिलोक श्रीवास की धर्मपत्नी श्रीमती स्मृति त्रिलोक श्रीवास को मेहनत के लिए बधाई दी एवं उज्जवल भविष्य के लिए अपना शुभ आशीर्वाद प्रदान किया, त्रिलोक श्रीवास समर्थकों ने आज संकल्प रैली के बहाने जबरदस्त शक्ति प्रदर्शन किया, बरसते पानी के बाद भी वाहनों में त्रिलोक श्रीवास समर्थक पहुंच रहे थे, त्रिलोक समर्थकों का आलम यह था कि कार्यक्रम के समाप्ति पश्चात त्रिलोक श्रीवास के समर्थकों को विदा होने में 2 घंटे से ज्यादा समय लगे ,लोयोला स्कूल से लेकर स्टेडियम ग्राउंड पूरा रोड त्रिलोक श्रीवास के समर्थकों से खचाखच भरा हुआ था, त्रिलोक स्मृति श्रीवास के समर्थकों ने अपने कार्यकर्ताओं को भूपेश बघेल जिंदाबाद नारे वाला गांधी टोपी भी वितरण किया, 5000 से ज्यादा गांधी टोपी का वितरण एवं सभी कार्यकर्ताओं के लिए जलपान, फ्ल ,मिष्ठान चाय नाश्ते की व्यवस्था किया गया, आज के कार्यक्रम में त्रिलोक श्रीवास ने बेलतरा विधानसभा में अपने जबरदस्त जमीनी जनाधार और सभी वर्गों में पकड़ को पुन: साबित किया, त्रिलोक चंद्र श्रीवास के साथ युवा, नौजवान, छात्र, महिलाएं, वरिष्ठ जन, सभी समाज, के पंचायत प्रतिनिधि सारे वर्ग के लोग हजारों के तादाद में उपस्थित थे, निश्चित ही प्रदेश के मुख्यमंत्री आज के इस स्वागत को देखकर अभिभूत हुए हैं, विदित हो कि पूर्व में संभागीय कार्यकर्ता सम्मेलन एवं बेलतरा में भेंट मुलाकात के समय भी त्रिलोक श्रीवास के समर्थकों ने हजारों के तादाद में मुख्यमंत्री का अभिनंदन स्वागत किया था, त्रिलोक चंद्र श्रीवास ने एवं उनके समर्थकों ने स्वागत के बहाने मुख्यमंत्री एवं नवनियुक्त प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के समक्ष जबरदस्त शक्ति प्रदर्शन किया है, जिसकी चर्चा पूरे जिले में सब तरफ हो रही है।

नवीन मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भटगांव में मास्टर ट्रेनर पतीराम तोमर एवं संस्था व्याख्याता श्री के.जी.डी. पाण्डेय के द्वारा औद्योगिक प्रषिक्षण संस्थान तेलगवां भटगांव में मतदाता जागरूकता एवं स्वीप कार्यक्रम के तहत शत-प्रतिषत मतदान की महत्ता के बारे में विस्तार से बताया गया। मतदाता सूची में नवीन मतदाता के लिए फार्म-6, आधार से मतदाता पहचान पत्र जोड़ने के लिए फार्म -6 ब, मृत/स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाओं का नाम हटाने के लिए फार्म-7 तथा संषोधन, स्थानांतरण एवं प्रतिस्थापन एपिक प्राप्त करने के लिए फार्म-8 के बारे में तोमर ने विस्तार से समझाया। शत प्रतिषत मतदान हेतु सभी छात्र एवं छात्राओं को शपथ दिलाया गया। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम संस्था के प्राचार्य श्री रूपेश सिंह सहित संस्था के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिले में मनाया जाएगा साक्षरता सप्ताह

शैक्षणिक संस्थानों में आयोजित होंगे विविध कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर निकलेगी साक्षरता रैली

बिलासपुर:- 29 अगस्त 2023 को जिले के सभी विकासखण्डों के शासकीय एवं निजी महाविद्यालय एवं विद्यालयों में 1 से 7 सितम्बर तक साक्षरता सप्ताह एवं 8 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाएगा। इन आयोजनों के लिए रूपरेखा तैयार कर ली गई है। सभी के लिए शिक्षा पर केंद्रित योजना ''उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम (एनआईएलपी) एवं मतदाता जागरूकता (स्वीप) पर केंद्रित कार्यक्रमों का आयोजन साक्षरता सप्ताह एवं अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर किया जाएगा। जारी कार्ययोजना के अनुरूप 1 सितम्बर को उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम एवं मतदाता जागरूकता (स्वीप) पर केंद्रित जागरूकता कार्यक्रम के तहत सभी असाक्षरों को साक्षरता के लिए प्रेरित करने, 18 वर्ष और अधिक आयु वर्ग के नागरिकों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु जागरूक करेंगे। असाक्षर रहने के नुकसान एवं साक्षरता का महत्व विषय पर कार्यशाला का आयोजन एवं सेमीनार का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 2 सितम्बर को संगोष्ठी परिचर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। 4 सितम्बर को महिला साक्षरता पर केंद्रित कार्यक्रम, 5 सितम्बर को नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत एवं मतदाता जागरूकता (स्वीप) प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। 6 सितम्बर को एनआईएलपी के शिक्षार्थियों के लिए चित्र देखो लिखा कार्यक्रम, ग्राम पंचायतों में बैठक होगा। 8 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय एवं विद्यालय में प्रभात फेरी, साक्षरता रैली एवं सायकल रैली का आयोजन किया जाएगा, जिसमें साक्षरता संदेश एवं नारों का वाचन किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों से निर्वाचन व्यय पर की चर्चा

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल ने सभा कक्ष में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक में चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों द्वारा विभिन्न मदों जैसे-वाहन, लाईट, माईक, शामियाना, डेकोरेशन, भोजन, चाय-पानी, नास्ता, वीडियोग्राफी, सोशल मीडिया, बल्क एसएमएम सहित अन्य समस्त प्रकार के प्रचार-प्रसार सामग्री व अन्य विभिन्न मदों में होने वाले व्यय के दर निर्धारण पर भी चर्चा किये। इस अवसर पर एमसीएमसी नोडल अधिकारी श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका वर्मा, जिला कोषालय अधिकारी अनील कुमार बारी, उप कोषालय अधिकारी योगेश, जय सिंह राज प्रबंधक उद्योग, लक्ष्मण सिंह मराबी ईई ई एण्ड एम, राजनैतिक दल से पुनीत गुप्ता इण्डियन नेशनल कांग्रेस, सुरेन्द्र गुप्ता आप, श्याम आप तथा सीपीआई (एम) पार्टी से सुरेन्द्र लाल सिंह, बाल सिंह आण्डिल्य, महेश कोराम, राम औतार यादव सहित जिला निर्वाचन के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

83 घुमंतू मवेशियों को सड़क से उठाकर पहुंचाया गया गोठान व कांजीघर

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा विगत 3 दिन में सड़कों पर स्वच्छंद विचरण करने वाले 83 मवेशियों को काऊकेचर के माध्यम से सड़कों से उठाकर गोठान एव कांजीघर पहुंचाया गया, साथ ही संबंधित पशुपालकों को कड़ी हिदायत दी गई कि वे अपने पालतू मवेशी सड़कों पर खुला न छोड़े। वहीं निगम द्वारा विगत 2 सप्ताह में 198 मवेशी सड़कों से उठाकर गोठान व कांजीहाउस पहुचाये गए । यहाँ उल्लखेनीय है कि पशुपालकों द्वारा अपने पालतू मवेशियों को सड़क पर खुला छोड़ दिया जाता है , जिसके कारण सड़क दुर्घटना की संभावना बनती है, आवागमन बाधित होता है तथा यातायात व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, वहीं सड़क दुर्घटनाओं में जान-माल के नुकसान व मवेशियों के घायल होने की आशंका भी बनी रहती है। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा कार्यवाही करते हुए विगत 3 दिन में सड़कों व सार्वजनिक स्थानों से 83 आवारा मवेशियों को काऊकेचर के माध्यम से उठाकर गोठान एवं कांजीघर पहुंचाया गया तथा पशुपालकों से 2025 रु अर्थदण्ड वसूल किया गया। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा सड़कों, सार्वजनिक स्थानों से इन मवेशियों को हटाने तथा उन्हें गोठान आदि जगहों पर पहुंचाने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है, अब निगम द्वारा ऐसे पशुपालकों पर जिनके द्वारा अपने पालतू मवेशी सड़क पर छोड़ दिये जा रहे हैं, उन पर जुर्माना एवं दण्डात्मक कार्यवाही की जा रही हैं। आयुक्त ने दी हिदायत - आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने निगम क्षेत्र के समस्त पशुपालकों को कड़ी हिदायत देते हुए कहा है कि वे अपने पालतू मवेशियों को घर पर सुरक्षित रूप से रखें, स्वच्छंद विचरण हेतु सड़कों पर खुला न छोड़े तथा निगम द्वारा की जाने वाली दण्डात्मक कार्यवाही से बचें एवं सड़क दुर्घटनाओं को रोकने व यातायात व्यवस्था को बनाए रखने में अपना सहयोग दें।

लगातार 21 वें साल महान गायक मुकेश को दी गई स्वर श्रद्धांजलि

आशा इक़बाल महिला पत्रकार सम्मान से अंचल की 6 महिला पत्रकार सम्मानित

मीडिया ग्रुप भिलाई एवं एस आर जी (बीएसपी) का संयुक्त आयोजन

भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट/ बिलासपुर :- मीडिया ग्रुप भिलाई और एस आर जी (भिलाई इस्पात संयंत्र) के संयुक्त तत्वावधान में दर्द भरे गीतों के बादशाह स्व मुकेश चंद्र माथुर की 47 वीं पुण्य तिथि के अवसर पर याद ए मुकेश कार्यक्रम का आयोजन नेहरू सांस्कृतिक सदन सेक्टर 1 भिलाई मे संपन्न हुआ। अंचल के प्रख्यात गायक प्रभंजय चतुर्वेदी , रिटायर्ड नगर पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र सतपथी, के हाथों दीप प्रज्वालित कर कार्यक्रम की शुरूआत हुई। ओ जाने वाले हो सके तो लौट के आना (राकेश शुक्ला), ओ महबूबा (ए के त्रिवेदी), मै पल दो पल का शायर (संदीप राजपूत), जाने कहाँ गए वो दिन (उमेश विश्वकर्मा), हमसफर मेरे हमसफर (सजीव और बीना), किसी राह में किसी मोड़ पर (रियाज़ अहमद और सीमा पटेल), तौबा ये मतवाली चाल (रमेश श्रीवास्तव), जे हम तुम चोरी से (रफीक और ज्योति कश्यप), मुझको अपने गले लगा लो (जानकी रमैया और मोनिशा मल्होत्रा) , दिल की नज़र से (कमाल अख्तर और नीतू गोस्वामी) इक दिन बिक जाएगा (जतिन) , सावन का महीना (संदीप तिवारी और ज्योति), कभी कभी मेरे दिल में (बी डी निज़ामी) जो तुमको हो पसंद , फूल तुम्हे भेजा है खत में, आज मै उपर आसमा नीचे मैं ससुराल नही जाऊंगी, बोले रे पपिहरा, चंचल शीतल जैसे सदाबहार गीतों से स्व मुकेश जी को श्रद्धांजलि दी गई।

आशा इकबाल महिला पत्रकार सम्मान - इसी दौरान अंचल के वरिष्ठ पत्रकार आसिफ इकबाल की धर्मपत्नी आशा इकबाल की स्मृति में हर साल दिया जाने वाला आशा इकबाल महिला पत्रकारिता सम्मान प्रदेश के 6 महिला पत्रकारों को दिया गया । जिन महिला पत्रकारों को इस वर्ष सम्मानित किया गया, उनमें उत्तरा विदानी (महासमुंद) निशा मसीह (रायगढ़) प्रीति सोनी (बिलासपुर) शुभ्रा नंदी (रायपुर), अनुभूति भाकरे ठाकुर (भिलाई) और अनामिका विश्वास (नारायणपुर) को प्रशस्ति पत्र, शाल, श्री फल एवं स्मृति भेंट देकर सम्मानित किया गया। इस साल कार्यक्रम को संगीत में संजोने वाले अनुब्रत रॉय, नत्थू राम खांडेकर, (दोनों ऑर्गन) , अल्फर्ड लुईस (पैड) , हुपेंद्र हिरवानी (ढोलक), आयुष राजपूत (पैड)और समीर (गिटार) को भी स्मृति चिन्ह भेंट किये गए। कार्यक्रम के अंत में भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी की प्रथम अध्यक्ष श्रीमती तुलसी साहू , नई दुनिया के स्थानीय संपादक सूर्या राव एवं रमेश श्रीवास्तव के हाथों कार्यक्रम के समस्त गायक , गायिकाओं वादकों एवं कार्यकर्ताओं को स्मृति देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने मे गुरमीत धनई, सुरेंद्र कपूर काके, रविंद्र वाटाने , शाहिन खान, संतोष मिश्रा, महेंद्र मिनोचा , विजय देवांगन, राम भगत अग्रवाल, विपिन बंसल, प्रीति सरू, पूर्णिमा शुक्ला, रितेश दामले, संजीव तिवारी, प्रेम तपस्वी, इजहार अहमद सिद्दीकी, राधेश्याम कोरी, अनिल आहूजा, श्याम भोजवानी, आफ्ताब आलम, प्रकाश थवाइत भूपेंद्र सिंह चौहान जयशंकर आचारी, दीपक कुमार, ज़ीशान, सौरभ, अभय जैन और पुष्कर भूपेंद्र सिंह चौहान, संजय शुक्ला का विशेष योगदान रहा।

भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन

स्वदेश तिवारी, स्थानीय संपादक

भारतीय संस्कृति में पर्वों का प्राचीनकाल से विशेष महत्व रहा है। प्रत्येक त्यौहार के साथ धार्मिक मान्यताओं, सामाजिक एवं ऐतिहासिक घटनाओं का संयोग प्रदर्शित होता है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी अपना संदेश आम जनता तक पहुँचाने के लिये त्यौहारों एवं मेलों का मंच के रूप में उपयोग होता था। हम चर्चा कर रहे हैं ऐसे ही पर्व रक्षाबंधन की। रक्षाबंधन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का प्रमुख त्यौहार माना जाता है जो श्रावण मास पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन बहन अपनी रक्षा के लिये भाई को राखी बांधती है। यह पर्व मात्र रक्षा का संदेश नहीं देता, अपितु प्रेम, समर्पण, निष्ठा व संकल्प के द्वारा हृदयों को भी बांधने का वचन देता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है मयि सर्व मिदंप्रोक्तं सूत्रे मणिगणाइव अर्थात सूत्र अविच्छन्नता का प्रतीक है क्योंकि सूत्र/धागे बिखरे हुए मोतियों को अपने में पिरोकर एक माला में एकाकार बनाता है। माला के सूत्र की तरह रक्षासूत्र भी लोगों को जोड़ता है। पुराणों में रक्षाबंधन का उल्लेख मिलता है। रक्षा हेतु इन्द्राणी ने इन्द्र सहित देवताओं की कलाई पर रक्षासूत्र बांधा और इन्द्र ने राक्षसों से युद्ध में विजय पायी। एक कथा के अनुसार राजा बलि को दिये वचन अनुसार भगवान विष्णु बैकुंठ छोड़कर बलि के राज्य की रक्षा के लिये चले गये। तब देवी लक्ष्मी ने ब्राह्मणी का रूप धर श्रावण पूर्णिमा के दिन राजा बलि की कलाई पर पवित्र धागा बांधा, उनके कहने पर बलि ने भगवान विष्णु से बैकुंठ लौटने की विनती की। रावण की बहन शूर्पणखा लक्ष्मण के द्वारा नाक काटने के पश्चात रावण के पास पहुंची और खून से मैली साड़ी का एक छोर रावण की कलाई में बांध दिया और कहा भैया जब-जब आप अपनी कलाई को देखोगे आपकी अपनी बहन का अपमान याद आयेगा और मेरी नाक काटने बालों से तुम बदला ले सकोगे। भगवान श्री कृष्ण के हाथ में चोट लगने पर एक बार द्रौपदी ने अपनी चुनरी का किनारा फाड़ कर घाव पर बांध दिया था। दुशासन द्वारा द्रौपदी का चीरहरण प्रयास इसी बंधन के प्रभाव से असफल हुआ। श्री कृष्ण ने द्रौपदी की रक्षा की। युधिष्ठिर ने एक बार श्रीकृष्ण से पूछा कि वह महाभारत के युद्ध में कैसे बचेंगे , जवाब में श्री कृष्ण ने कहा राखी का धागा ही तुम्हारी रक्षा करेगा। सिकन्दर व पौरस के युद्ध के पूर्व रक्षा सूत्र का आदान प्रदान हुआ था। दोनों ने रक्षा सूत्र की मर्यादा का पालन किया था। मुगल काल में मुगल सम्राट हुमायूँ चित्तौड़गढ़ पर आक्रमण करने बढ़ा तो राणा सांगा की विधवा कर्मवती ने हुमायूँ को राखी भेजकर अपनी रक्षा का वचन लिया। हुमायूँ ने इसे स्वीकार करके चित्तौड़ पर आक्रमण का विचार मन से निकाल दिया और आगे राखी का वायदा निभाने के लिये चित्तौड़ की रक्षा हेतु गुजरात के बादशाह से भी युद्ध किया। स्वाधीनता आन्दोलन में भी बहनों ने अपने भाइयों को राखी बांधकर देश को आजाद कराने का वचन लिया। सन 1905 में बंग-भंग आन्दोलन का शुभारंभ एक-दूसरे को रक्षा सूत्र बांधकर हुआ। आजादी के आन्दोलन की एक घटना चन्द्रशेखर आजाद से जुड़ी हुई है। आजाद एक तूफ़ानी रात शरण लेने एक विधवा के घर पहुंचे। पहले तो उसने उन्हें डाकू समझकर शरण देने से मना कर दिया। बाद में यह पता चलने पर कि वह क्रांतिकारी आजाद है तो ससम्मान उन्हें घर के अंदर ले गई। बातचीत के दौरान आजाद को पता चला कि उस विधवा को गरीबी के कारण जबान बेटी की शादी हेतु काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।। यह जानकर आजाद को वहुत दुख हुआ। उन्होंने विधवा को प्रस्ताव दिया कि मेरी गिरफ्तारी पर पाँच हजार रुपये का इनाम है, तुम मुझे अंग्रेजों को पकड़वा दो और उस इनाम से बेटी की शादी कर देना, यह सुनकर विधवा रो पड़ी व कहा भैया तुम देश की आजादी हेतु अपनी जान हथेली पर रखकर चल रहे हो और न जाने कितनी बहू-बेटियों की इज्ज़त तुम्हारे भरोसे है, मैं हरगिज ऐसा नहीं कर सकती। यह कहते हुए उसने एक रक्षा सूत्र आजाद के हाथ पर बांधकर देश सेवा का वचन लिया। सुबह जब विधवा की आँख खुली तो आजाद जा चुके थे और तकिये के नीचे पाँच हजार रुपये रखे हुए थे, साथ ही उसके साथ एक पर्चा रखा था जिस पर लिखा था कि अपनी प्यारी बहन हेतु एक छोटी सी भेंट -आजाद। भारत में रक्षाबंधन का त्यौहार अलग अलग तरीकों से अपनी मान्यता अनुसार मनाया जाता है। मुंबई के समुद्री क्षेत्रों में नारियल पूर्णिमा या कोकोनट फुलमून के नाम से मनाया जाता है। उत्तराखंड के चम्पावत जिले के देवीधूरा में राखी पर्व पर बाराहीदेवी को प्रसन्न करने के लिये पाषाणकाल से ही पत्थर युद्ध का आयोजन किया जाता है। इस युद्ध में आज तक कोई भी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। जैन धर्म में रक्षाबंधन पर्व का विशेष महत्व है। प्राचीन काल में मुनि अकम्पनाचार्य आदि 700 मुनियों पर असुरों द्वारा हस्तिनापुर में उपसर्ग किया। सभी मुनियों को बंदी बनाकर बलि देने का निर्णय लिया। मुनि विष्णु कुमार को इसका पता चला तो उन्होंने अपनी वैक्रिया ऋद्धि के द्वारा असुर शक्तियों को निर्बल किया तथा 700 मुनियों की मुनि अकम्पनाचार्य सहित रक्षा की। मुनियों की रक्षा की स्मृति में यह रक्षाबंधन पर्व मनाया जाता है।700 जैन मुनियों की रक्षा हुई थी, रक्षाबंधन पर्व का नाम करण जैनाचार्य संत शिरोमणी विद्या सागर जी के परम प्रभावक शिष्य निर्यातक मुनि सुधा सागर जी श्रमण संस्कृति रक्षा दिवस किया है।इस दिन जैन मंदिरों में 700 मुनियों की रक्षा के उपलक्ष्य में श्रमण रक्षा विधान पूजन किये जाते है। सभी 700 जैन मुनियों का स्मरण कर उन्हें अर्घ चढ़ाये जाते हैं। मुनि सुधा सागर जी जिस तीर्थ या नगर में चातुर्मास करते हैं वहाँ श्रमण संस्कृति रक्षा विधान पूजन भक्ति भाव से उनके पावन सानिध्य की जाती है। 30 अगस्त को आगरा महानगर में श्रमण संस्कृति रक्षा विधान मुनि सुधा सागर जी ससंघ के पावन सानिध्य में भक्ति भाव से आयोजित किया जा रहा है।इस अवसर पर धर्म और संस्कृति की रक्षा के प्रतीक रक्षासूत्र बांधते हैं।

संपादकीय

नीतिगत अस्थिरता की मिसाल

निर्यात रोकने के बाद अब सरकार दो लाख टन अतिरिक्त प्याज खरीदेगी। यह खरीदारी निर्यात के आरंभिक भाव 2,410 प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। यह उचित फैसला है। लेकिन सरकार को इस बारे में एक स्थायी नीति बनानी चाहिए। अचानक आयात या निर्यात को रोक देना नरेंद्र मोदी सरकार की खास पहचान बन चुकी है। फैसले चौंकाने वाले अंदाज में लिए जाते हैं, जिससे प्रभावित होने वाले तबकों को किसी पूर्व तैयारी का मौका नहीं मिलता। ऐसी मिसाल हाल में एक तरफ कंप्यूटर और उससे संबंधित उपकरणों का आयात रोकने के निर्णय के रूप में देखने को मिली, तो दूसरी तरफ अचानक चावल और फिर प्याज का निर्यात रोक दिया गया। ऐसे फैसलों से निर्यात श्रृंखला से जुड़े तमाम उत्पादकों और कारोबारियों के लिए अचानक जो मुसीबत खड़ी होती है और साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में भरोसे का जो संकट खड़ा होता है, वर्तमान सरकार उसकी परवाह नहीं करती। मगर इस बार प्याज के मामले में फैसला होते ही प्याज किसान सड़कों पर उतर आए। चुनाव के गरमाते सीजन में किसानों के इस गुस्से से सत्ताधारी दल में आशंकाएं पैदा हुईं। तो अब वाणिज्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने किसानों को भरोसा दिया है कि उनके नुकसान की भरपाई की कोशिश में सरकार दो लाख टन अतिरिक्त प्याज खरीदेगी। यह खरीदारी निर्यात के आरंभिक भाव 2,410 प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। यह उचित फैसला है। असल में सरकार को इस बारे में एक स्थायी नीति बनानी चाहिए। नौ साल पहले जब मोदी सरकार सत्ता में आई थी, तब एक मूल्य स्थिरता (प्राइस स्टैबलाइजेशन) कोष बनाने का इरादा जताया गया था। उसका मकसद बाजारों में उस कोष के जरिए हस्तक्षेप कर जरूरी चीजों की कीमतों को स्थिरता देना बताया गया था। लेकिन बाद में उस बात को भुला दिया गया। इसके विपरीत विभिन्न क्षेत्रों में मोनोपोली कायम करने वाले कदमों को बढ़ावा दिया गया। यह अनेक अध्ययनों का निष्कर्ष है कि आज के दौर की महंगाई मोनोपोली और विक्रेताओं के लगातार मुनाफा बढ़ाने के प्रयासों का नतीजा है। इसकी कीमत आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ कृषि जैसे क्षेत्र में उत्पादकों यानी किसानों को भी चुकानी पड़ रही है। किसानों का सवाल वाजिब है कि जब कीमतें बढ़ने के कारण उन्हें लाभ होने की स्थिति होती है, तो सरकार इसमें ब्रेक क्यों लगा देती है? सरकार को इस प्रश्न का जवाब देना चाहिए।

न्याय व शांति : कब्जा नहीं सहयोग पर बने संबंध

भारत डोगरा

विश्व की बहुत-सी बड़ी समस्याओं के मूल में आधिपत्य के संबंध हैं। दूसरी ओर विश्व के कुछ सबसे बड़े सुधारकों के संदेश में कहीं न कहीं निहित है कि आधिपत्य के संबंध से बचें और आपसी सहयोग और सद्भावना के संबंधों को अपनाएं। मनुष्यों के आपसी संबंधों की एक प्रमुख कमजोरी और कमी यह है कि एक दूसरे पर आधिपत्य करने, शासन करने, अपना बड़प्पन सिद्ध करने की प्रवृत्ति बहुत प्रबल रही है। इतिहास के पन्नों को पलटें तो इस प्रवृत्ति के साथ अधिकतर एक दूसरे का हक छीनने, अधिक संचय करने या अधिक लालच की प्रवृत्ति जुड़ी रही है। पर जहां यह लालच नहीं है, वहां भी अहं के कारण अपनी उच्चता स्थापित करने या अपनी बात मनवाने की प्रवृत्ति प्रायः देखी गई है। कारण अहं हो या लालच, मनुष्य के आपसी संबंधों में आधिपत्य करने की प्रवृत्ति बहुत सशक्त और व्यापक रही है। जहां जनसाधारण के दैनिक जीवन में इस प्रवृत्ति ने तरह-तरह के दुख-दर्द उत्पन्न किए, वहां युद्ध के मैदान में इस कारण भयानक खून-खराबा भी हुआ। इतिहास के पृष्ठ गवाह हैं कि प्राचीन समय से ही गुलाम और मालिक, गरीब और अमीर, पराजित और विजेता, कमजोर और बलशाली, यहां तक कि स्त्री और पुरुष के संबंध में आधिपत्य करने की प्रवृत्ति ने बहुत से लोगों को अत्यधिक और असहनीय दुख दिए। बहुत से लोगों पर यह प्रवृत्ति इतनी हावी हो गई है कि उन्होंने अपने आदर्श के रूप में उन्हीं को ग्रहण करना आरंभ किया जो अपना आधिपत्य जमा सकें। सोचने-समझने के ढंग, बातचीत, कथा-कहानियों, यहां तक कि इतिहास में भी उन लोगों को अधिक महत्त्व दिया गया - और प्रायः प्रशंसा की भावना से ही दिया गया-जिन्होंने अपने आधिपत्य को अधिक फैलाने में सफलता प्राप्त की, चाहे इस प्रयास में उन्होंने कितने ही लोगों को नाहक ही अथाह कष्ट पहुंचाए हों। दूसरी ओर अनेक धर्म-गुरुओं, दार्शनिकों और समाज सुधारकों ने इंसान की इस मूल कमजोरी और इससे जुड़े दुख-दर्द को पहचाना और लोगों को इससे बचाने का प्रयास किया। इनमें से अनेक प्रयासों का असर दूर-दूर तक हुआ और काफी समय तक हुआ। अतः इतिहास में ऐसे दौर भी आए जब आधिपत्य पर आधारित मानव संबंधों को बहुत से लोगों ने एक बुराई के रूप में पहचाना और इसके स्थान पर भाईचारे, समता, सहनशीलता, एक दूसरे के विचारों की इज्जत करने और समझने का प्रयास करने की प्रवृत्ति को अपनाया। कुछ समयों और स्थानों में इन विचारों का प्रसार विभिन्न धर्मों और पंथों के रूप में हुआ, अन्य मौकों पर इनका प्रसार नई आर्थिक-राजनीतिक विचारधाराओं और उनसे जुड़ी क्रांतियों के रूप में हुआ। अनेक सराहनीय शुरुआतों के बावजूद बाद में इन प्रयासों में भी प्रायः कुछ कमजोरियां आ जाती थीं, और आधिपत्य की प्रवृत्ति को फिर प्रबल होने या पहले से भी अधिक प्रबल होने का मौका प्रायः मिल जाता था। आरंभ में इस प्रवृत्ति को हावी करने का अवसर किसी व्यक्ति को छोटे से समूह के स्तर पर ही मिल सकता था, पर बाद में आधिपत्य की महत्त्वाकांक्षा का बेहद विस्तार कर ऐसे साम्राज्य स्थापित किए गए जो लाखों पराजित लोगों और गुलामों पर आधिपत्य कर सके। जब तक शक्तिशाली लोगों पर यह विचाराधारा हावी थी, यह स्वाभाविक ही था कि वे उपलब्ध संसाधनों और नये तौर-तरीकों का उपयोग इसी के विस्तार के लिए करते। इस प्रवृत्ति के विश्वव्यापी विस्तार का अवसर पंद्रहवीं और सोलहवीं शताब्दी में नये समुद्री मार्गों और स्थानों की खोज से हुआ। यूरोप के देशों के लिए सबसे बड़ी खोज यह थी कि अमेरिकी महाद्वीपों और वहां के बहुमूल्य खनिजों के बारे में उन्हें पता चला। इसके साथ ही विश्व इतिहास के शायद सबसे निर्मम शोषण और तबाही की शुरुआत हुई। यूरोप से दौलत और जमीन के लालच में गये लोगों ने यहां के मूल निवासियों (रेड इंडियन) पर हर तरह के अत्याचार किए, जबरन मजदूरी करवाई, जमीन छीनी, अनेक जगह उनका कत्लेआम किया। करोड़ों की संख्या में यहां के मूल निवासी मारे गए। हजारों वर्ग मील के क्षेत्रों में वे खत्म ही कर दिए गए। अमेरिकी महाद्वीपों में कोलंबस के आगमन के समय (वर्ष 1500 के आसपास) लगभग 10 करोड़ लोग रहते थे। यूरोप के लोगों के यहां आने के बाद के डेढ़ सौ वर्षों में ही 90 प्रतिशत मूल निवासियों की मृत्यु हो गई, मात्र 10 प्रतिशत बचे। बाद में ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप के मूल निवासियों पर भी ऐसा ही अत्याचार हुआ।उधर, अमेरिका के मूल निवासी बड़ी संख्या में मारे जा रहे थे, इधर यूरोप के लुटेरों ने अफ्रीका के गुलामों को पकड़ कर अमेरिका के खेतों और खदानों में भेजना आरंभ किया। लगभग 350 वर्षों तक जारी रहे इस व्यापार में लगभग डेढ़ करोड़ अफ्रीकावासियों को गुलाम के रूप में अमेरिकी महाद्वीपों में भेजा गया। भेजने का तरीका इतना निर्दयी था कि लाखों गुलाम तो यात्रा के दौरान ही मर गए व अधिकतर अन्य की मौत कार्य स्थल पर निर्मम शोषण के कारण कुछ ही वर्षों में हो गई। साथ ही एशिया के अधिकांश देशों का इतना कठोर शोषण हुआ कि भुखमरी और अकाल से लाखों लोग मरने लगे। भारत का बंगाल प्रांत हो या इंडोनेशिया का जावा प्रांत, यूरोपीय शासकों के आने के कुछ ही समय बाद आबादी के एक तिहाई से एक चौथाई हिस्से की अकाल में मृत्यु हुई। यूरोप के कुछ देशों ने अन्य सभी महाद्वीपों को जिस बुरी तरह लूटा-खसूटा उससे वहां अपार दौलत एकत्र हुई, और वहां के भी चंद लोगों के पास। इंग्लैंड में बड़े भूस्वामियों ने अपने देश के भी छोटे किसानों को बड़े पैमाने पर बेदखल कर दिया, जिससे वे सस्ते मजदूर बनकर नई फैक्ट्रियों में छा गए। यहां मजदूरी की उन दिनों (औद्योगिक क्रांति के आरंभिक वर्षों में) यह हालत थी कि दस वर्ष के बच्चे से पंद्रह घंटे खड़े होकर काम करवाना सामान्य बात समझी जाती थी। बाद में अपने यहां के मजदूरों की स्थिति सुधारने का कुछ कार्य तो इन देशों ने किया, पर उपनिवेशों के प्रति वही अधिकाधिक लूट की प्रवृत्ति बनी रही। उन्नीसवीं शताब्दी के अंतिम दशकों में नई साम्राज्यवादी शक्तियों के आगमन से एक जुल्म और विस्तार का नया दौर आरंभ हुआ और भयंकर हिंसा करते हुए कुछ ही वर्षों में इन शक्तियों ने अफ्रीका के अधिकतर भाग का बंटवारा अपने बीच कर लिया।

ब्रिक्स की नई यात्रा

नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन के दौरान यह दो-टूक एलान किया कि भारत ब्रिक्स के विस्तार का समर्थन करता है। उनकी इस घोषणा के तुरंत बाद शिखर सम्मेलन में नए देशों को ब्रिक्स में शामिल करने के मानदंडों से संबंधित प्रस्ताव को पारित कर दिया गया। अपने 15वें शिखर सम्मेलन के साथ पांच उभरती अर्थव्यवस्थाओं- ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका- का मंच ब्रिक्स अब एक नई यात्रा शुरू करने जा रहा है। बुधवार इस शिखर सम्मेलन में महत्त्वपूर्ण दिन रहा, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन के दौरान यह दो-टूक एलान कर दिया कि भारत ब्रिक्स के विस्तार का समर्थन करता है। मोदी के भाषण पर सबकी निगाहें टिकी थीं, क्योंकि पिछले कुछ समय से पश्चिमी मीडिया में कई भ्रामक खबरें थीं। उनमें बताया गया था कि भारत ब्रिक्स के विस्तार और अंतरराष्ट्रीय कारोबार के लिए नया भुगतान सिस्टम बनाने की ब्रिक्स की कोशिश का विरोध कर रहा है। जबकि ये दो मुद्दे ही दक्षिण अफ्रीका के जोहानेसबर्ग में आयोजित शिखर सम्मेलन में प्रमुख मुद्दा थे। शिखर सम्मेलन से ठीक पहले यह बात साफ हो गई थी कि ब्रिक्स जोहानेसबर्ग शिखर सम्मेलन में अपनी अलग करेंसी का एलान नहीं करेगा। इसके बजाय वहां चर्चा ब्रिक्स देशों के बीच आपसी कारोबार में भुगतान अपनी मुद्राओं में करने का सिस्टम बनाने पर होगा। इसे आर-5 यानी रुपया, रेनमिनबी, रुबल, रैंड और रियाल- के बीच सहयोग के नाम से जाना जा रहा है। ब्रिक्स में विस्तार को भारत के समर्थन की घोषणा के तुरंत बाद विस्तार के मानदंडों से संबंधित प्रस्ताव शिखर सम्मेलन में पारित कर दिया गया। यानी अब विस्तार एक हकीकत बनने जा रहा है। चर्चा है कि पहले चरण में सऊदी अरब, यूएई, ईरान, अल्जीरिया और अर्जेंटीना को ब्रिक्स से जोड़ा जाएगा। सदस्यता के लिए अर्जी देने वाले बाकी 18 देश अभी फ्रेंड्स ऑफ ब्रिक्स के रूप में मौजूद रहेंगे। आपसी मुद्राओं में कारोबार तो पहले से ही जोर पकड़ रहा है। इसके लिए भारत खास उत्साहित रहा है। चूंकि यह चलन सभी विकासशील देशों के हित में है, इसलिए इसे और गति मिलना भी अब एक वास्तविक संभावना है। हालांकि जोहानेसबर्ग आए किसी नेता ने यह कहा नहीं है, लेकिन वहां हुए फैसले साफ संकेत देते हैं कि अपनी नई यात्रा में ब्रिक्स जी-7 के वर्चस्व के लिए एक बड़ी चुनौती बनेगा। आर्थिक ताकत, सियासी इरादा, और वक्त की धारा- ये सभी अब ब्रिक्स के अनुकूल हैं।

ऊधमबाज़ी से रुआंसा हुआ चंद्रयान

पंकज शर्मा

चंद्रयान-3 जितने हौले-से चंद्रमा की सतह पर उतरा, हमारी सत्तारूढ़-मंडली इसकी श्रेय की कलगी ज़िल्ल-ए-सुब्हानी के साफे पर टांकने को उतने ही ज़ोर से लपकी।ज दरअसल हमें हर बात पर बस ऊधम मचाना है। रीति-रिवाज़ पर, धर्म पर, भाषा पर, खानपान पर, गाय पर, चीते पर, राजचिह्न पर, सेंगोल पर, संविधान की धाराओं पर, संसद के निर्माण पर, वंदेभारत रेल पर, प्रगति मैदान की सुरंग पर, सिर्फ़ ऊधमी बिगुल बजाना है। छिप-छिपा कर और खुलेआम किए गए अपने हर करतब के बखान की घ्वनि को डेढ़ सौ डेसिबल तक पहुंचाने के लिए जी-जान एक कर देना है। ज चंद्रयान-3 जितने हौले-से चंद्रमा की सतह पर उतरा, हमारी सत्तारूढ़-मंडली इसकी श्रेय की कलगी ज़िल्ल-ए-सुब्हानी के साफे पर टांकने को उतने ही ज़ोर से लपकी।

चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव की सतह पर जितने हौले-से उतरा, हमारी सत्तारूढ़-मंडली इस के समूचे श्रेय की कलगी ज़िल्ल-ए-सुब्हानी के साफे पर टांकने को उतने ही ज़ोर से लपकी। ताबेदार अपने सुल्तान के मन की बात न जानें तो काहे के ताबेदार? फिर ज़िल्ल-ए-सुब्हानी स्वयं भी कौन-से संकोची हैं? एक दशक में संसार की सारी रोशनी का किरण-केंद्र उन्होंने जैसे खुद पर कर रखा है, उस की चुधियाहट में कोई और किसी को दिखाई ही कहां दे रहा है? सो, छोटे परदे और अखबार के पन्नों के आधे से ज़्यादा हिस्से पर पर हम ने अपने प्रजापालक को पसरे देखा और चंद्रयान बेचारा चंदामामा की गोद में सिकुड़ कर छुप गया।

ब्रिक्स की बेइंतिहा मसरूफ़ियत के बावजूद अपना अमूल्य समय निकाल कर हमारे सुल्तान ने इसरो के प्रमुख श्रीधर पणिक्कर सोमनाथ को याद दिलाया कि उन के तो नाम में ही 'सोम' है, सो, सोमनाथ के होते चंद्रयान भला कैसे चांद पर न उतरता? भगवान शिव के प्रति अपने प्रधानमंत्री के ऐसे भक्तिभाव ने मुझे गदगद कर दिया। विज्ञान की उपलब्धियों को अध्यात्म की छुअन दे कर सोने पर सुहागा करने की जैसी विलक्षण कला नरेंद्र भाई मोदी में है, मैं ने तो किसी और में नहीं देखी। राजा दक्ष प्रजापति के श्राप से मुक्ति पाने के लिए चंद्र देवता ने शिव को अपना स्वामी मान कर पृथ्वी पर जहां तपस्या की थी, वह जगह गुजरात के सौराष्ट्र में है। चंद्र देवता ने शिव से वहां ज्योतिर्लिंग के रूप में स्थापित होने का आग्रह किया। बारह ज्योतिर्लिंगों में से यही पहला है ङ्क सोमनाथ।

मैं भी पूरी आस्था से यह बात मानता हूं कि विज्ञान-फिज़ान अपनी जगह है, मगर अगर ईश्वर साथ न हो तो सफलता नहीं मिलती। इसलिए हमें अपने चंद्रयान अभियान की भावी श्रंखलाओं को भी सफल बनाने के लिए यह ध्यान रखना बेहतर होगा कि इसरो के सभी अगले प्रमुखों के नामों में रुद्र, पशुपति, महेश्वर, वामदेव, शंकर, श्रीकंठ, अंबिकानाथ, गंगाधर, जटाधर, विश्वेश्वर, मृत्युजय जैसे शब्दों का समावेश हो। ऐसा होगा तो चंद्रयानों की झड़ी लग जाएगी।

भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने अब हमें इतना जागरूक तो बना ही दिया है कि हम जानें भी और मानें भी कि इसरो के अब तक के 89 उपग्रह मिशनों में से 47 का लॉच नरेंद्र भाई मोदी के नौ साल में हुआ है। यानी इसरो की स्थापना के बाद 52 बरस में सिर्फ़ 42 सैटेलाइट लॉच हुए ङ्क हर सवा साल में एक; और, नरेंद्र भाई के राज में हर साल पांच से ज़्यादा। नरेंद्र भाई के पहले 13 लोग देश के प्रधानमंत्री बने, पर सब ऊंघते रहे। आप कहते रहिए कि नरेंद्र भाई के आगमन के बाद हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रमों का बजट घटा है, लेकिन सच्चाई तो यही है कि विज्ञान की हमारी दुनिया के भाग्य तो 2014 के बाद ही खुले हैं।

कोई समझा हो, न समझा हो, मैं तो साढ़े चार बरस पहले ही समझ गया था कि अब आकाश-जगत में भारत को विश्व-गुरु बनने से कोई नहीं रोक पाएगा। फरवरी 2019 में जिस दिन प्रधानमंत्री जी ने पाकिस्तानी सरहद में बने आतंकवादी अड्डो पर सर्जिकल स्ट्राइक की तारीख़ मौसम की खराबी की वजह से बदलने की इजाज़त नहीं दी और कहा कि बादल और बरसात हैं तो और भी अच्छा है, क्योंकि पाकिस्तान के राडार हमारे विमानों को पकड़ नहीं पाएंगे; मैं तो उसी दिन से लंबी चादर तान कर निश्चिंत सो रहा हूं। काहे का इसरो? काहे के वैज्ञानिक? चंद्रयान का चांद पर अवतरण हमारे मौजूदा राजनीतिक नेतृत्व की प्रज्ञा और कौशल की उपलब्धि है। पहले के प्रधानमंत्रियों की तरह अगर नरेंद्र भाई भी तंद्राभिभूत होते तो क्या हम चांद पर उतरने वाला चौथा और उस के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बनते?

आज़ादी के बाद 1948-49 में भारत सरकार का बजट 197 करोड़ रुपए का था। पंडित जवाहरलाल नेहरू तब कसामुसी के चलते विज्ञान परियोजनाओं के लिए सिर्फ़ एक करोड़ 10 लाख रुपए आवंटित कर पाए थे। यानी बजट का तक़रीबन आधा प्रतिशत। मगर जब नेहरू के कार्यकाल के आख़ीर में देश का बजट 1700 करोड़ रुपए हो गया तो विज्ञान परियोजनाओं के लिए उन्होंने 85 करोड़ रुपए रखे। यानी पांच प्रतिशत। एक करोड़ से 85 करोड़ रुपए तक का इज़ाफ़ा। यह 15 साल में 85 गुना बढ़ोतरी ही हुई न? और, अब हाल क्या है? आज जब देश का बजट क़रीब साढ़े 39 लाख करोड़ रुपए का है, विज्ञान परियोजनाओं के लिए नरेंद्र भाई ने 14217 करोड़ रुपए दिए हैं। यानी आधा प्रतिशत से भी कम। मगर फिर भी नेहरू विज्ञान को ले कर आलसी थे और नरेंद्र भाई ने विज्ञान परियोजनाओं को ऐसी रफ़्तार दे दी है कि भूतो न भविष्यति। यही बात मैं ने चंद्रयान पर हुई टेलीविजन बहसों में कह दी तो नरेंद्रोन्मुख बहसबाज़ तो बहसबाज़, गिलगिल करने वाले टीवी-सूत्रधार भी शाब्दिक ताडव करने लगे।

चंद्रशेखर वेंकट रामन, होमी जहांगीर भाभा, विक्रम साराभाई, हरगाविंद खुराना, सतीश धवन, शांतिस्वरूप भटनागर, एपीजे अब्दुल कलाम, वग़ैरह आज होते तो विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में हासिल हो रही उपलब्धियों के नाम पर पिछले कुछ वक़्त से हो रही सियासत को देख कर अपना सिर पीट रहे होते। ठीक है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति विकास परियोजनाओं को गति देने का प्रमुख घटक है। लेकिन प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य हासिल करने के अदम्य हौसले के लिए अपने वैज्ञानिकों, अपने सैन्यबलों, अपने श्रमिकों, अपने कृषकों, अपने शिक्षाविदों और समाज के समूचे क्षितिज को संभाले बैठे नायक-नायिकाओं के अनुगमन की भावना के बजाय उन के श्रेय में सेंधमारी की नीयत रखना, आप ही बताइए, अक्षम्य है या नहीं? उन के स्वेद-बिंदुओं से स्वयं की सूरत संवारने का सिलसिला समाप्त होना चाहिए या नहीं?

पिछले एक दशक में ऊधमबाज़ी की बढ़ती प्रवृत्ति ने हमारे सकारात्मक प्रतिफलों के उत्सवों को भी हो-हल्ले में तब्दील कर दिया है। अब हम अपने अर्जन-सृजन के संगीत का आनंद लेने को नहीं थिरकते हैं, लाल रोशनी और नीले धुएं का अंबार लगा कर चिल्लपों में डूबते-उतरते हैं। हमें हर बात पर बस ऊधम मचाना है। रीति-रिवाज़ पर, धर्म पर, भाषा पर, खानपान पर, गाय पर, चीते पर, राजचिह्न पर, सेंगोल पर, संविधान की धाराओं पर, संसद के निर्माण पर, वंदेभारत रेल पर, प्रगति मैदान की सुरंग पर, सिर्फ़ ऊधमी बिगुल बजाना है। छिप-छिपा कर और खुलेआम किए गए अपने हर करतब के बखान की घ्वनि को डेढ़ सौ डेसिबल तक पहुंचाने के लिए जी-जान एक कर देना है।

सो, थोड़े दिनों के लिए चंद्रयान का बहाना भी मिल गया। साप्ताहिक आयोजनों के ज़रिए अपनी प्रजा का दिल बहलाए रखने वाले ज़िल्ल-ए-सुब्हानी के झोले में काले जादू की पुड़ियाओं का ढेर है। उन के झोले से निकलने वाली अगली पुड़िया का इंतज़ार कीजिए। ये किसी नीम-हकीम की नहीं, एक खांटी-हाकिम की पुड़ियाएं हैं।

भाजपा को जा रहा बसपा का वोट

मायावती का वोट सपा या कांग्रेस की बजाय भाजपा के साथ जाने का सिलसिला पिछले साल के उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव में भी दिखा था। पिछला विधानसभा चुनाव बसपा ने बहुत बेमन से लड़ा था। मायावती ने बहुत कम प्रचार किया था और पहले दिन से यह मैसेज हो गया था कि वे लड़ाई में नहीं हैं। इसका नतीजा यह हुआ कि चुनाव में बसपा को वोट का बहुत नुकसान हुआ और उसे सिर्फ एक विधानसभा सीट मिली। सो, मायावती को पता है कि अगर वे लोकसभा का चुनाव अकेले लड़ती हैं तो फिर 2014 वाली स्थिति हो सकती है। 2014 में तो उनको 20 फीसदी वोट मिल गए थे लेकिन इस बार अकेले लड़ने पर उनको पिछले साल विधानसभा चुनाव में मिले 13 फीसदी से भी कम वोट हो जाएंगे। तभी सवाल है कि क्या वे सचमुच अकेले लड़ेंगी या वोट ट्रांसफर वगैरह की बात करके उन्होंने संभावित सहयोगी पार्टियों को मैसेज दिया है? समाजवादी पार्टी फिर से सहयोगी हो सकती है क्योंकि दोनों को पता है कि इस बार लोकसभा चुनाव में पहले से खराब स्थिति हो सकती है। क्योंकि इस बार अयोध्या में राममंदिर के उद्घाटन के बाद चुनाव होना है। काशी कॉरिडोर बना है और ज्ञानवापी का विवाद चल रहा है। भाजपा ने हिंदुत्व की राजनीति की पकड़ मजबूत की है। योगी आदित्यनाथ की बुलडोजर कार्रवाई ने भी हिंदू मतदाताओं को एकजुट किया है। इसलिए सपा, बसपा और कांग्रेस तीनों के सामने तालमेल के सिवा कोई रास्ता नहीं है। इसलिए मायावती की बात का असर अगले कुछ दिन में देखने को मिलेगा।

सार-समाचार

टीकाकरण हेतु जिला टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में शिशु संरक्षण माह 29 अगस्त से 29 सितम्बर 2023 के सफ्ल संचालन हेतु जिला स्तरीय टीकाकरण टास्क फोर्स की बैठक सभा कक्ष में आयोजित की गई। जिसमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.एस.सिंह, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. अजय मरकाम, जिला कार्यक्रम प्रबंधक एनएचएम एवं अन्य समिति के सदस्यों की उपस्थिति में उन्होंने निर्देश देते हुए कहा अनुविभागीय अधिकारी अपने अधीनस्थ समस्त तहसीलदारों को निर्देशित करेंगे कि उनके अधीनस्थ पटवारी एवं कोटवारों को भी आदेशित करें कि शिशु संरक्षण माह 29 अगस्त 2023 से 29 सितम्बर 2023 तक आयोजन होना है। जिसके लिए संबंधित व्यापक प्रचार प्रसार एवं मुनादि कराना सुनिश्चित करें। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जिले के सभी सीडीपीओं को आदेशित करेंगे कि वे अपने अधिनस्त आगनबाड़ी, सुपरवाइजर निरिक्षण करने एवं आगनबाड़ी कार्यकर्ता को आगनबाड़ी केन्द्र को सही समय पर खोलने के साथ ही शिशु संरक्षण माह में अपनी पूर्ण सहयोग प्रदान करें। जिला जनसम्पर्क अधिकारी शिशु संरक्षण माह हेतु व्यापक प्रचार प्रसार हेतु विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित कराना सुनिश्चित करेंगे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत समस्त विकासखण्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अपने अधिनस्त सभी सरपंच एवं सचिव को आदेशित करेंगे कि शिशु संरक्षण माह 29 अगस्त 2023 से 29 सितम्बर 2023 में होने वाले कार्यक्रम में अपना सक्रिय भागीदारी एवं सहयोग प्रदान करें। कलेक्टर ने जन समुदाय से आग्रह किया कि उक्त अभियान में बड़-चढ़कर हिस्सा ले और इस कार्यक्रम को सफ्ल बनायें।

ब्रिज से आदमी ने कूदकर की खुदकुशी, स्कूटी से हुई व्यक्ति की पहचान

दुर्ग। जिले के शिवनाथ नदी में बने 50 फ्टि ऊंचे ब्रिज से एक आदमी ने कूदकर खुदकुशी कर ली। कूदने की आवाज सुनकर एक मछुआरा भागा। इसके बाद उसने एसडीआरएफ और पुलगांव पुलिस को सूचना दी। एसडीआरएफ की टीम ने सुबह 6 बजे से उसकी तलाश शुरू कर दी थी। 3 घंटे रेस्क्यू के बाद उसका शव नदी से खोजकर बाहर निकाला गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जिला सेनानी अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि घटना रविवार सोमवार बीती देर रात की है। शिवनाथ नदी के तट पर रहने वाले एक मछुआरे ने उन्हें तड़के सूचना दी कि एक व्यक्ति ब्रिज से नदी में कूद गया है। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम को वहां भेजा गया। टीम सुबह 6 बजे से रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही थी। लगभग 3 घंटों के रेश्क्यू के बाद सुबह 9.30 बजे शव को नदी से खोजकर बाहर निकाल लिया गया है। शव दुर्ग केलाबाड़ी निवासी राजेंद्र सिंह का है।

पुलगांव पुलिस भी मौके पर पहुंची है। मौके पर लोगों की भीड़ को हटाने का काम किया जा रहा है। राजेंद्र ने खुदकुशी जैसी घटना को अंजाम क्यों दिया इसके बारे में अभी कुछ भी पता नहीं चल पा रहा है। उसके दोस्तों ने बताया कि वो देर रात तक उनके साथ ही बैठा था। फ्रि वहां से चला गया। दोस्तों का कहना है कि वो घर जाने की बात कहकर निकला था। उसके हाव भाव से भी ऐसा नहीं लग रहा था कि वो किसी बात को लेकर परेशान है और ऐसा कर सकता है। पुलिस पंचनामा कार्रवाई कर रही है। खुदकुशी करने वाले व्यक्ति की पहचान राकेश ठाकुर 52 वर्ष निवासी केलाबाड़ी के रूप में हुई है।

अगर घर में मिला डेंगू का लार्वा तो कटेगा फाइन, स्वास्थ्य विभाग ने चलाई मुहिम

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिला और इस्पात नगरी भिलाई में लगातार डेंगू (ष्ठद्गठ्ठद्दह्वद्ग) के मामले सामने आ रहे हैं. डेंगू के रोग काम के लिए भिलाई स्टील प्लांट का स्वास्थ्य विभाग और दुर्ग जिला मलेरिया विभाग की टीम संयुक्त अभियान चला रही है। इसके साथ ही यह टीम लोगों के घरों में जाकर डेंगू के लार्वा नष्ट कर रही है और लोगों को जागरूक कर रही है. इसके बावजूद भी लोग इस जानलेवा बीमारी डेंगू के प्रति जागरूक नहीं हो रहे हैं. जिसको देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने फ्रमान जारी करते हुए कहा है कि अब लोगों के घरों में मिलेगा डेंगू का लार्वा तो फाइन कटेगा और लगाया जाएगा जुर्माना.

लोगों को घरों में लगातार मिल रहा है कि डेंगू का लार्वा- निगम स्वास्थ्य एवं भिलाई इस्पात संयंत्र के जनस्वास्थ्य विभाग के टीम के साथ सड़क नं. 5, 12, 13, 14 के लगभग 100 मकान का फ्रि से सघन जांच किया गया. जहां 5 स्थानों पर डेंगू के लार्वा पाये जाने पर जुमार्ना लगाया गया. लोगों का टेमीफोस का वितरण कर, साफ-सफाई रखने, वर्षा जल को जमा न होने देने, मच्छरदानी का उपयोग करने की सलाह दी गई. निर्देशानुसार टीम, क्राकोथरिन के धुआं का छिड़काव सुबह-शाम निर्धारित समय पर सेक्टर-2 में कर रहे है।

आवारा एवं घुमंतू पशुओं के वैकल्पिक प्रबंध को लेकर हुई चर्चा, समय-सीमा की बैठक संपन्न

आय,जाति,निवास प्रमाण पत्र बनाने का कार्य गंभीरतापूर्वक करें-कलेक्टर

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज कलेक्टोरेट स्थित सभाकक्ष में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की और उसके शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूली छात्रा-छात्राओं के आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र बनाने के कार्य को प्राथमिकता के साथ करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिये। उन्होंने इसके लिए पुन: विद्यार्थियों के चिन्हांकन करने व नया टारगेट निर्धारित करने की बात भी कही ताकि प्रत्येक पात्र हितग्राही को एडमिशन, छात्रवृत्ति, शासकीय योजनाओं व प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए संघर्ष न करना पड़े।

इसके साथ ही बैठक में आवारा एवं घुमंतू पशुओं के प्रबंधन को लेकर भी गहन चर्चा की गई। जिसके अंतर्गत गौठानों के अलावा अन्य विकल्प पर भी सुझाव दिए गए। पशुपालन यदि अपने पशुधन का रखरखाव करने में असमर्थ है तो ऐसी स्थिति में पशुपालकों पर अर्थदंड जैसे भी चर्चा हुई। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि शासन 2 रुपए प्रति किलो कि दर से गोबर की खरीदी कर रही है। आवारा एवं घुमंतू पशुओं के प्रबंधन में चरवाहा अपने आप को जोड़कर, गोबर की बिक्री कर एक निश्चित आय अर्जित कर सकता है। उन्होंने अर्थ दंड की राशि से पशुधन के लिए चारे की व्यवस्था का सुझाव भी संबंधित अधिकारियों को दिया। उन्होंने आवारा एवं घुमंतू पशुओं के एकत्रित होने वाले स्थल के चिन्हांकन की निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके साथ ही योजनाबद्ध तरीके से बेहतर प्रबंधन के लिए कार्य करने को कहा।

इसके अलावा बैठक में उर्वरक के स्टॉक के भौतिक सत्यापन, गोबर से बने प्राकृतिक पेंट के विक्रय के संबंध में जानकारी व गोबर खरीदी के साथ-साथ वर्मीकंपोस्ट खाद की वस्तु स्थिति के संबंध में भी संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली।

इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा तोमर, जिला पंचायत सीईओ सुश्री लीना कोसम, संयुक्त कलेक्टर श्री नरेन्द्र पैकरा, सुश्री प्रियंका वर्मा व अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

जिला पंचायत सदस्य रेणुका, अभिनव यदु की भाटापारा विधानसभा में मजबूत दावेदारी

चंद्रप्रकाश टोंडे सिमगा : जैसे जैसे विधानसभा के चुनाव नजदीक आ रहे है वैसे वैसे विधानसभा लड़ने को इच्छुक लोग अपनी अपनी दावेदारी में लगे हुए है,इस कड़ी में भाटापारा विधानसभा में जो नाम ओबीसी वर्ग से आम जनमानस में चर्चा का विषय है पूर्व जिला पंचायत सभापति एवम सचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी छत्तीसगढ़ अभिनव यदु एवम उनकी धर्मपत्नी जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रेणुका अभिनव यदु का,,,,आम जनमानस के मन में अब नया और बेदाग छवि वाले नेता की जब जब बात आती है तो सभी लोगो की पसंद अभिनव यदु पर जा टिकती है,वे बेहद सरल हर पल आम जनता के किसी समस्या के समाधान के लिए तत्पर रहने वाले जननेता के रूप में भाटापारा विधानसभा में अपनी छवि बना चुके है,,,अगर सूत्रों की माने तो अभिनव यदु प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज एवम मुख्यमत्री भूपेश बघेल के करीबी नेताओं में एक है,प्रदेश कांग्रेस में उनका कद लगातार बड रहा है,इसका प्रमाण भाटापारा विधानसभा के एक मात्र नेता है जिनको अभी प्रदेश कांग्रेस कमेटी में स्थान मिला है,ये छात्र जीवन से राजनीति में बेहद सक्रिय रहे है,आज तक कोई चुनाव में पराजय का समाना नही करना पड़ा है,अभिनव यदु जब 2015 में जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लडे तो भाजपा की सत्ता थी,उस समय कांग्रेस पार्टी को लोकल चुनाव में बड़ी हार का समाना करना पड़ा था,परंतु अभिनव यदु,भाजपा सत्ता के तमाम ताकत झोंकने के बाद भी भारी मतों से जिला पंचायत का चुनाव जीते थे,और अभी 2020 के जिला पंचायत चुनाव में महिला सीट आरक्षित होने पर जनता की मांग पर उनकी धर्मपत्नी जिला पंचायत सदस्य की चुनाव लड़ी और पूरे बलौदाबाज़ार जिले में सर्वाधिक मतो से विजयी हुई,एक बात गौर करने लायक है की जिला पंचायत चुनाव में दुबारा जितना बहुत टेढ़ी खीर होता है,परंतु अभिनव यदु ने दुबारा चुनाव बेहद इतिहासिक मतो से जीत दर्ज की,आम लोगो के जुबान पर एक चर्चा हमेशा अभिनव यदु के लिए होता है की ,,, हमन जिला पंचायत चुनाव में वोटिंग बस करत रहेन ओखार बाद जिला पंचायत का होथे नही जानत रहेन,पर अभिनव यदु जिला पंचायत बने मे जाने हन की जिला पंचायत का होथे,हमर हर सुख दुख मे आथे जाथे अऊं हर गांव मे विकास के काम कराथे,,,अभिनव यदु की लोकप्रियता सभी दलों और संगठन के लोगो के बीच है वो किसी से दुवा भेद नहीं करते,सबका काम करते है,भाटापारा विधासभा में अभिनव यदु के परिवार का नाम बड़े इज्जत और प्रेम से लिया जाता है,पूरे भाटापारा विधानसभा में इनके परिवार का रिश्ता राजनीतिक न होकर लोगो से परिवारिक हैं जिसके कारण जब जब कोई मर्राकोंना यदु परिवार से चुनाव लडता है तो आम लोग दलगत राजनीति से ऊपर उठकर मर्राकोना यदु परिवार को भारी मतों से विजय बनाता है,,,,ज्ञात हो कि अभिनव यदु,दाऊ स्वर्गीय परसराम यदु जी नाती है,और स्वर्गीय परसराम यदु जी को पूरा छत्तीसगढ जानता है,उन्होंने छत्तीसगढ राज्य निर्माण के लिए आजीवन संघर्ष किया था,जब पृथक छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के मांग के लिए छत्तीसगढ भ्रातृ संघ का गठन हुआ तो स्वर्गीय श्री डा खूबचंद बघेल जी को संस्थापक अध्यक्ष एवम स्वर्गीय परसराम यदु जी को संस्थापक उपाध्यक्ष बनाया गया,कालांतर में डाक्टर बघेल निधन के पश्चात परसराम यदु भ्रातृ संघ के अध्यक्ष बने और बेहद तेजी से आंदोलन को आगे बढ़ाया,इसलिए उनका नाम छत्तीसगढ़ के राज्य निर्माता में के रूप में प्रमुखता से लिया जाता है,परंतु आम जनमानस में चर्चा का विषय रहता है की जिसके परिवार ने आजीवन छत्तीसगढ़ निर्माण के लिए संघर्ष किया उनको क्या मिला,अभिनव यदु का परिवार शुरू से यादव समाज का छत्तीसगढ़ स्तर पर किसी न किसी रूप में नेतृत्व करता आ रहा है,ये इस लिए बताना जरूरी है की भाटापारा विधानसभा में लगभग 36000 सर्व यादव समाज का वोट है जो किसी न किसी कारण से काग्रेस से उपक्षेति होकर,भाजपा का प्रमुख वोट बैंक बन गया है,अगर अभिनव यदु को कांग्रेस अपना प्रत्याशी बना देती है तो यादव समाज का पूरा वोट इनको चला जायेगा जो भाजपा के कोरवोट बैंक का बड़ा नुकसान होगा और कांग्रेस को बहुत बड़ा फयदा,अभिनव यदु स भी समाज के लोगो का आदर करते है एवम अभी समाज के लोग अपने सुख दुख और सामाजिक कार्यक्रम में बुलाते है,अभिनव यदु के पक्ष में एक बात और है भाटापारा विधानभा में एक लोकल छत्तीसगढ़ का संगठन और क्षेत्रीय पार्टी का संचालन उनके पारिवारिक रूप से जुड़े लोग ही करते है,जिनका भाटापारा विधानसभा में बड़ा वोट बैंक है,अगर यदु प्रत्याशी होते है तो सीधा फायदा कांग्रेस को होगा,,भाटापारा विधानभा में कांग्रेस की गुटबाजी की चर्चा पूरे प्रदेश में होती है,परंतु अभिनव यदु इन सबसे दूर रहते है,वो कहते है हमारे क्षेत्र में जितने भी सम्मानित नेता है उनसे मेरा परिवारिक संबंध है,इसलिए वो जब जब चुनाव लड़ते है तो पूरे कांग्रेसी एक जुट होकर उनको विजयी बनाते है,,,,भाटापारा में बेहद तेजी से एक मांग उठते आया है की ओबीसी वर्ग से नया चेहरे को प्रत्याशी बनाने की,ज्ञात हो कि भाटापारा विधानसभा में एस टी एस सी ओबीसी का एक गैर राजनीतिक संघठन बना है जो सभी राजनीतिक दलों से मांग कर रहा है की भाटापारा विधानसभा में इन तीनो में से किसी एक वर्ग को टिकट दिया जाए,,इस बात पर सभी राजनीतिक पार्टी को प्रत्याशी चयन में ध्यान रखना चाहिए,ये फैक्टर इस बार भाटापारा विधानसभा में जीत हार तय करने के महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी,,,

साइबर सेल एवं थाना सिमगा की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा बड़ी खुलासा

साइबर सेल एवं थाना सिमगा की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा सिमगा क्षेत्र में घटित लाखों रुपए की चोरी का किया गया खुलासा

प्रकरण में पुलिस द्वारा घर अंदर घुसकर चोरी करने वाले एक अपचारी बालक को लिया गया अभिरक्षा में

अपचारी बालक के साथ एक अन्य आरोपी ने मिलकर दिया चोरी की घटनाओं को अंजाम

आरोपियों से सोने चांदी के जेवरात एवं नगदी रकम सहित कुल ?4,52,000 कीमत मूल्य का सामान किया गया बरामद

पुलिस द्वारा आरोपियों से घटना में प्रयुक्त एवेंजर मोटरसाइकिल एवं जुपिटर स्कूटी भी किया गया जप्त

प्रकरण में हिरासत में लिया गया एक आरोपी थाना से हो गया फरार

आरोपी के फ्रार होने एवं ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले 05 पुलिस अधि./कर्मचारियों को किया गया निलंबित

चंद्रप्रकाश टोंडे सिमगा की रिपोर्ट : थाना सिमगा के अपराध क्र. 275/2023 धारा 457,380 भादवि के प्रार्थीया श्रीमती मंजुला शर्मा साकिन कर्मचारी कालोनी सिमगा थाना सिमगा द्वारा दिनांक 21/08/2023 को थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि, *दिनांक 19.08.2023 से 20.08.2023 के मध्य किसी अज्ञात चोर द्वारा मकान के मेन गेट तथा अंदर के दरवाजे का ताला तोडकर घर में रखे सोने चोदी जेवरात को चोरी कर ले गया* है। कि रिपोर्ट पर अपराध कायम कर घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियो को दिये जाने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय श्री दीपक कुमार झा के आदेशानुसार, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय एंव श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी पुलिस भाटापारा के निर्देशन पर थाना सिमगा एवं साईबर सेल की संयुक्त टीम के घटना स्थल जाकर घटना स्थल निरीक्षण किया गया।

टीम द्वारा घटना स्थल कर्मचारी कालोनी सिमगा के आसपास का *सीसीटीवी फुटेज चेक किया गया, जिसमें 02 अज्ञात व्यक्ति घटना दिनांक की रात्रि 19/08/2023 से 20/08/2023 के दरम्यानी रात को घर के अंदर घुसकर चोरी करने* का सीसीटीवी फुटेज प्राप्त हुआ। सीसीटीवी फुटेज अधार पर अज्ञात आरोपियों का पता तलाश किया गया, जिसमें *आरोपी 01. संदीप महिलांगे उर्फ पिता बद्री महिलागे उम्र 25 साल निवासी ग्राम सिंगारपुर थाना भाटापारा ग्रामीण हाल निवासी न्यू आनंद नगर भनपुरी थाना खमतराई जिला रायपुर 02. एक अपचारी बालक* को अभिरक्षा में थाना लाकर पूछताछ कर मेमोरेंण्डम कथन लिया गया। दिनांक 26.08.2023 को मेमोरेण्डम कथन के आधार पर *आरोपी संदीप महिलांगे से ?2,50,000 कीमत मूल्य का सोने चांदी जेवर व नगदी रकम ?40,000 सहित कुल ?2,90,00 बरामद किया गया है।* सांथ ही आरोपी से घटना में प्रयुक्त् मोटर सायकल एवेजेंर भी जप्त किया गया है। इसी प्रकार अपचारी बालक से आज दिनांक को पूछताछ कर मेमोरेण्डम कथन लिया गया, जिसमें *अपचारी बालक से मेमोरण्डम कथन के आधार पर ?1,50,000 कीमत मूल्य का सोने चांदी का जेवर व नगदी रकम ?12,000 सहित कुल ?1,62,000 बरामद किया* गया है। सांथ ही अपचारी बालक से घटना में प्रयुक्त जुपीटर स्कूटी भी जप्त किया गया है। *इस प्रकार पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों से कुल ?4,00,000 कीमत मूल्य का सोने चांदी का जेवर, नगदी ?52,000 सहित कुल ?4,52,000 कीमत मूल्य का चोरी का समान बरामद* किया गया है। उक्त आरोपीगण द्वारा साथ मिलकर अन्य कई स्थानों पर चोरी करना कबूल किया गया है व चोरी पश्चात चोरी किये गये सामान को आपस में बांट लेना बताया गया है। अपचारी बालक के विरूद्ध अपराध घटित करना पाये जाने से सामाजिक पृष्ठभूमि तैयार कर अपचारी बालक को माननीय किशोर न्यायालय बलौदाबाजार में पेश किया गया।

आरोपी संदीप महिलांगे दिनांक 26.08.2023 को मेमोरेण्डम व जप्ती कार्यवाही के पश्चात अन्य प्रकरण में पूछताछ हेतु हिरासत में लेकर थाना सिमगा लाकर सुरक्षित रखा गया तथा आरोपी सदर की सुरक्षा में पर्याप्त संख्या में पुलिस स्टाफ लगाया गया था। कि इसी बीच *आरोपी संदीप महिलांगे दिनांक 26-27.08.2023 की दरम्यानी रात्रि में पुलिस अभिरक्षा से फ्रार हो गया, जिसके विरूद्ध थाना सिमगा में अपराध क्र. 279/2023 धारा 224 भादवि पंजीबंद्ध कर विवेचना मे लिया गया है तथा फ्रार आरोपी की खोजबीन सरगर्मी से की जा रही* है।

उक्त फ्रार आरोपी संदीप महिलांगे की सुरक्षा ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले थाना सिमगा के 05 पुलिस अधिकारी कर्मचारियों को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है तथा प्रकरण में श्री आशीष अरोरा एसडीओपी भाटापारा को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

छ.ग. संकुल शैक्षिक समन्वयक संघ के जिलाध्यक्ष बने राज कुमार सिंह

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण कार्यों के संपादन हेतु अहम भूमिका निभाने वाले संकुल शैक्षिक समन्यवकों (ष्ट्ठ) के प्रांताध्यक्ष श्री पूर्णानंद मिश्रा के निर्देशानुसार सरगुजा संभाग प्रभारी श्री ब्रिज राज तिवारी व कोरिया जिलाध्यक्ष श्री भोला राम साहू के गरिमामयी उपस्थिति में जिला कार्यकारी विस्तार हेतु जिले के समस्त 6 विकास खण्डों का सामूहिक रूप से मंगल भवन सूरज पुर में बैठक आहूत की गई। बैठक में सर्व सम्मति से जिलाध्यक्ष राज कुमार सिंह, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अनुराघवेंद्र सिंह बघेल, जिला उपाध्यक्ष क्रमश: संतोष कुमार साहू (प्रेम नगर), महेश प्रजापति (भैयाथान), दिनेश पांडेय (ओड़गी), लुकेशवर सिंह (रामानुज नगर), जिला सचिव शिव सिंह जिला कोषाध्यक्ष विनय चौरसिया को बनाया गया। संभाग प्रभारी श्री तिवारी ने ॠएकता में ही बल हैॠ को परिभाषित करते हुए संघ में विश्वास बनाएं रखने हेतु अपील किए। वहीं नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष राज कुमार सिंह ने बैठक में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से उपस्थित सभी संकुल समन्वयकों को भरोसा दिलाया कि जिले के समस्त संकुल समन्वयकों के हितों के रक्षा के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे। उन्होंने बैठक में उपस्थित संभाग प्रभारी श्री तिवारी जी ,कोरिया जिलाध्यक्ष भोला राम साहू व समस्त विकास खण्डों के संकुल समन्वयकों का आभार जताया। इस दौरान कुलदीप सिंह,

दिलीप साहू, ईश्वर सिंह, सुलेमान अंसारी, चन्द्र प्रकाश,रामेश्वर तिवारी,शिवनारायण सिंह,अमित सिंह,राजेश्वर साहू, जे डी सिंह,दीवान पैकरा,विजय नारायण यादव, जियाराम वैश्य,मनोज प्रजापति,उत्तम सिंह,रमेश जायसवाल,रितेश यादव, महेश राम पैकरा, खेलावन सिंह, जुगेंद्र सोनी, धर्मपाल सिंह, मुन्ना राजवाड़े, मो.बहादुर खान, मनीष तिवारी,अरूण हरिशंकर बैस शशिप्रकाश शर्मा श्यामनारायण साय रामकिशुन सिंह घनश्याम सिंहआदेश्वर गुर्जर रीषि कुमार पाण्डेय दिवाकर प्रसाद जायसवाल रासबिहारी यादव जितेंद्र कुमार यादव श्री विनोद सिंह केरामश्री राजेश कुमार पैकरा रामा सिंह पोया एक्का, दुर्गा शरण सिंह, शिवमंगल गुप्ता, कवलसाय, लवकुश ठाकुर,अखिलेश पांडेय, संतोष जायसवाल, इन्द्रबली कुशवाहा,पंकज त्रिपाठी, शिव दुलारे पाटले, अनिल कुमार, टमेश्वर सिंह, मानसाय राजवाड़े, देवप्रसाद, पुष्पराज पांडेय, मुकेश दूबे,विजय साहू, शान्तनु पांडेय, मुनेश्वर सिंह, संत लाल साहू,विशेषर बंजारे, खिलावन सिंह, शिवनारायण सिंह, बृजेन्द्र जायसवाल, घनश्याम सिंह, जितेंद्र साहू, शिव चंद साहू, प्रेमचंद, संदीप कुमार कुशवाहा, रोशन लाल साहू, जियाराम बैस, हरिशंकर बैस, शशिप्रकाश शर्मा, श्यामनारायण साय, रामकिशुन सिंह, घनश्याम सिंह, आदेश्वर गुर्जर, रीषि कुमार पाण्डेय, दिवाकर प्रसाद जायसवाल, रासबिहारी यादव, जितेंद्र कुमार यादव, विनोद सिंह केराम, राजेश कुमार पैकरा, रामा सिंह पोया कुंदन सिंह, शिवनारायण सिंह ,फूल साय सिंह, शिवमंगल सिंह, वंशधारी सिंह, उत्तम सिंह, जय प्रकाश बरेठा, वशंगोपाल सिंह, राजेशवर साहू, विजय नारायण यादव, जेडी सिंह, रमेश जायसवाल, दीवान पैकरा, अमित कुमार,राम कृपाल साहू, मोहर साय शास्त्री, बाबूलाल साहू, शिवलाल सिंह, विजय कुमार चौहान, रामविलास कुशवाहा, राघवेन्द्र दुबे, मनमोहन सिंह, शिव नारायण इत्यादि संकुल समन्वयक उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन अखिलेश पांडे एवम आभार व्यक्त विनय चौरसिया ने किया ।

पश्चिम बंगाल में हुए धमाके की एनआईए जांच की मांग

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने अमित शाह को लिखा

कोलकता, एजेंसी।

पश्चिम बंगाल के दत्तपुकुर में रविवाको एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट होने से पांच लोगों की मौत हो गई. इस मामले की एनआईए जांच की मांग करते हुए पश्चिम बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष डॉ. सुकांत मजूमदार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है।

सुकांत मजूमदार ने लिखा, मैं आपको पश्चिम बंगाल के दत्तपुकुर में हाल ही में हुई विस्फोटों की घटनाओं के बारे में गहरी चिंता और भारी मन से लिख रहा हूं। इन घटनाओं से जान-माल का भारी नुकसान हुआ है और यह जरूरी है कि इन दुखद घटनाओं

के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए गहन और निष्पक्ष जांच की जाए।

उन्होंने आगे लिखा, दत्तपुकुर में स्थानीय निवासियों ने बताया है कि रविवार के विस्फोट में कम से कम छह से सात लोगों की जान चली गई है और मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। इन घटनाओं की भयावहता बेहद चिंताजनक है। इसमें शामिल किसी भी संभावित आपराधिक तत्व को निर्धारित करने के लिए एक व्यापक जांच की आवश्यकता है।

एनआईए जांच की मांग की

एनआईए जांच की मांग करते हुए बीजेपी नेता ने लिखा, स्थानीय निवासियों ने इन अवैध कारखानों के बारे में कई बार पुलिस को शिकायत दी है, फिर भी ध्यान नहीं दिया गया। मैं आपसे राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को इन विस्फोटों की गहन और निष्पक्ष जांच करने का निर्देश देने का आग्रह करता हूं, जिसमें किसी भी आतंकी-संबंधित गतिविधियों की संभावना सहित सभी पहलुओं को शामिल किया जाए।

सुवेंदु अधिकारी का ममता बनर्जी पर निशाना

इससे पहले पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने राज्य पर आरोप लगाते हुए कहा था, सिर्फ ये कारखाना ही नहीं पूरे राज्य में ऐसा माहौल है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ी बड़ी बातें कहीं थी कि इन गैर कानूनी कारखानों को बंद किया जाएगा, लेकिन वे चोरों को बचाने में व्यस्त हैं। उनका काम राज्य में इमाम के साथ बेठक करना और सांप्रदायिक कार्ड खेलना है।

ब्रिटेन में खतरनाक वारदात को अंजाम देने वाले अपराधियों की खैर नहीं : ऋषि सुनक

ब्रिटेन, एजेंसी।

में जघन्य हत्या के दोषियों को जीवन भर सलाखों के पीछे रहना होगा। देश के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने सरकार के नए सख्त कानूनों की योजना का खुलासा किया है। सुनक के अनुसार, जघन्य हत्याकांडों में शामिल दोषियों के लिए पैरोल या जल्द रिहाई की संभावना लगभग खत्म हो जाएगी। पीएम ने सरकार की इस योजना का खुलासा ऐसे समय में किया है, जब हाल ही एक नर्स को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है, जिसपर सात बच्चों की हत्या का दोष साबित हुआ था।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, 43 वर्षीय भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने शनिवार को एक बयान में कहा कि जीवन का अर्थ जीवन है और न्यायाधीशों को सबसे भयानक प्रकार की हत्या करने वाले अपराधियों

को अनिवार्य आजीवन आदेश देने की आवश्यकता होगी। नया कानून बेहद सीमित परिस्थितियों को छोड़कर, न्यायाधीशों से आजीवन आदेश देने की कानूनी अपेक्षा रखेगा। सुनक ने आगे कहा कि मैंने हाल ही में देखे गए क्रूर अपराधों पर जनता की भयावहता को साझा किया है। लोग की उम्मीद सही है कि सबसे गंभीर मामलों में इस बात की गारंटी होनी चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा कि सबसे भयानक प्रकार की हत्या करने वाले जघन्य अपराधियों के लिए जीवन भर अनिवार्य आदेश लाकर, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि वे कभी आजाद न हों। बता दें कि ब्रिटेन में मौत की सजा देने का प्रावधान नहीं है, ऐसे में यहां जघन्य घटनाओं को अंजाम देने वाले अपराधियों को सबसे कठोर सजा के रूप में आजीवन कारावास सुनाया जाता है।गौरतलब है ब्रिटेन में एक नर्स को सात नवजात शिशुओं की हत्या और छह अन्य की हत्या के प्रयास में दोषी ठहराया गया, जिसके बाद उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। मीडिया रिपोर्ट्स में नर्स द्वारा किए गए काण्ड को ब्रिटेन के सबदे जघन्य हत्याकांडों में शामिल किया गया।

एलजी ढिल्लों बने आईआईटी मंडी के बीओजी अध्यक्ष

शिमला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) कंवल जीत सिंह ढिल्लों को आईआईटी मंडी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष के रूप में तीन साल की अवधि के लिए नियुक्त किया गया है। लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों ने पुलवामा आईईडी ब्लास्ट, बालाकोट एयर स्ट्राइक और अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त करने के सबसे चुनौतीपूर्ण माहौल के दौरान 15 कोर की कमान संभाली।
अंतरराष्ट्रीय सैन्य सहयोग और रणनीतिक खुफिया जानकारी के लिए जिम्मेदार चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के तहत उन्होंने डीजी डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी और इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के उप प्रमुख के रूप में कार्य किया। ढिल्लों 31 जनवरी 2022 को सेवानिवृत्ति हुए। अपने 39 साल के सेना करियर के दौरान उन्हें परम विशिष्ट सेवा मेडल, उत्तम युद्ध सेवा मेडल, युद्ध सेवा मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया गया है।

ज्वालामुखी में नवरात्र पर 65 हजार ने नवाया शीश, 28 लाख का चढ़ावा

कांगड़ा। ज्वालामुखी मंदिर में श्रावण माह अष्टमी के नवरात्र सुख शांति से संपन्न हो गए हैं। इस बार खराब मौसम के कारण ज्वालामुखी में श्रद्धालुओं की आमद बेहद कम रही। वहीं, चढावे में भी कमी दर्ज की गई। मंदिर अधिकारी अनिल सौंधी ने बताया कि श्रावण माह नवरात्रों में भक्तों की ओर से 28 लाख 59 हजार 512 रुपये का चढ़ावा चढ़ाया गया। इसके अलावा लगभग 65 हजार श्रद्धालु दर्शनों को पधारे। मौसमी बरसात अलर्ट के बीच श्रद्धालु कम मात्रा में ज्वालामुखी पहुंचे। इसके अलावा श्रद्धालुओं ने 8.5 ग्राम सोना और एक किलो 172 ग्राम चांदी भी भक्तों ने अर्पित की। उन्होंने बताया कि नवरात्रों में लंगर व्यवस्था भी सही रही और श्रद्धालुओं को तीन समय के भोजन की व्यवस्था की गई थी। सुरक्षा व्यवस्था में सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से भी असामाजिक तत्वों पर नजर रखी गई।

मिस्त्र में होने वाले युद्धाभ्यास ब्राइट स्टार में वायुसेना ने भेजे 5 मिग-29

काहिरा,एजेंसी।

मिस्त्र में होने वाले युद्धाभ्यास ब्राइट स्टार में शामिल होने के लिए भारतीय वायुसेना ने अपने बेड़े में पांच मिग-29 फाइटर जेट भेजे हैं। इनके अलावा छह ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और अपनी स्पेशल फोर्सेज के जवान भी मिस्त्र भेजे गए हैं। 21 दिनों तक चलने वाला यह युद्धाभ्यास रविवार से शुरू हो गया है। यह युद्धाभ्यास काहिरा एयरबेस पर होगा और इसमें मिस्त्र के अलावा अमेरिका, भारत, सऊदी अरब, ग्रीस और कतर की सेनाएं शामिल हो रही हैं।

गौरतलब है कि यह पहली बार है, जब इस युद्धाभ्यास में भारतीय वायुसेना भी शामिल हो रही है। वायुसेना ने एक बयान में कहा है कि भारतीय बेड़े में 5 मिग-29 फाइटर जेट, दो आईएल-78, दो सी-130 और दो सी-17 एयरक्राफ्ट शामिल

होंगे। भारतीय वायुसेना की स्पेशल फोर्स गरुड़ के कमांडों और स्वाड्रन 28,77,78 और 81 के जवान भी इस युद्धाभ्यास में शामिल हो रहे हैं। इनके अलावा भारतीय सेना के 150 जवान भी भारतीय बेड़े का हिस्सा हैं।

युद्धाभ्यास से मिलेगा ये फायदा

इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य संयुक्त संचालन के दौरान संयुक्त रूप से योजना बनाने और उसे लागू करने का अभ्यास किया जाएगा। इससे साझेदार देशों के साथ रणनीतिक संबंध बेहतर करने में भी मदद मिलेगी। बता दें कि भारत और मिस्त्र के संबंध हाल के समय में काफी मजबूत हुए हैं। दोनों देश जहां मिलकर एयरो-इंजन का विकास कर रहे हैं। साथ ही भारतीय वायुसेना द्वारा मिस्त्र के पायलटों को ट्रेनिंग भी दी जा रही है। कुछ समय पहले मिस्त्र के राष्ट्रपति भारत दौरे पर आए थे और बीते दिनों पीएम मोदी ने भी मिस्त्र का दौरा किया था।

टाउन काउंसिल चुनाव में भारतीय मूल की महिला उम्मीदवार के पोस्टर से अभद्रता

वॉशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना राज्य में भारतीय मूल की एक महिला टाउन काउंसिल का चुनाव लड़ रही है। स्थानीय मीडिया ने अपनी खबर में बताया है कि उनके प्रचार वाले पोस्टरों को खरोंचा गया है और उनके स्थान पर एक अश्वेत व्यक्ति के चेहरे की लगा दी गई है।

समाचार पत्र द न्यूज एंड ऑब्जर्वरकी खबर के मुताबिक, सारिका बंसल कैरी टाउन काउंसिल की ओर से चुनाव लड़ रही हैं। यह चुनाव लड़ने वाली वह एकमात्र अश्वेत हैं। बंसल टाउन काउंसिल की नियमित बैठक में भाग ले रही थीं, तभी उन्हें बताया गया कि वेस्ट कैरी के हाईक्रॉफ्ट विलेज के पास में उनके प्रचार के साइन बोर्ड को क्षतिग्रस्त किया गया है।

खबर में बताया गया है कि ऐसा लग रहा था कि तस्वीर में बंसल के सिर वाली जगह को खरोंचा गया और

उसके स्थान पर एक अश्वेत व्यक्ति के चेहरे की तस्वीर लगाई गई। सारिका ने चौंकाने वाली घटना बताया है और कहा कि वह अपने अभियान के किलाफ बर्बरतापूर्ण और नस्लवाद के कृत्य से दुखी हैं।

सारिका बंसल ने कहा, हमें अपने शहर में ताकत और एकता को बनाए रखने के लिए विविधता को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कैरी शहर में भूरे या काले रंग के लोगों के खिलाफ नस्लवाद के लिए कोई जगह नहीं है। उत्तरी कैरोलिना में किसी व्यक्ति के राजनीतिक संकेत को चोरी करना, विरूपित करना, तोड़फोड़ करना या हटाना अपराध है।

वहीं, मेयर हेरोल्ड वेनब्रेक्ट ने एक बयान में कहा कि इसकी तह तक पहुंचने के लिए हम सबकुछ करेंगे। उन्होंने कहा, यह नस्लवादी, घृणित कृत्य उन मूल्यों के बिल्कुल खिलाफ है, जो हमारे समुदायों को करीब लाते हैं। खबर के मुताबिक, कैरी शहर में रहने वाली 180,000 की आबादी में 20 फीसदी एशियाई अमेरिकी हैं। बंसल ने कहा, वेस्ट कैरी को स्थायी नेतृत्व की जरूरत है। उन्होंने कहा, टाउन काउंसिल में विविधता होने से उस बदलाव को लाने में मदद मिलेगी जिसकी हमें आज जरूरत है।

एक छोटे से व्यवसाय के मालिक और कैरी की निवासी बंसल ने पांच साल पहले मॉरिसविले में राज ज्वेल्स नाम से अपना व्यवसाय शुरू किया था। वह हाल के वर्षों में स्थानीय सरकार में सक्रिय रही हैं।

बंसल ने शुक्रवार को एक बयान में अन्य उम्मीदवारों से आह्वान किया कि वे एक ऐसा कैरी शहर बनाने के लिए काम करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करें जो सभी पृष्ठभूमि और रंग के लोगों को स्वीकार करती है।

बंसल शहर की मौजूदा काउंसिल मैन रेयान ईड्स और नवोदित राहेल जॉर्डन के साथ त्रिकोणीय मुकाबले में हैं। अगर बंसल निर्वाचित होती हैं तो वह टाउन काउंसिल में सेवा देने वाली दूसरी अश्वेत महिला और पहली भारतीय अमेरिकी होंगी।

ट्विटर की छंटनी से रामास्वामी प्रभावित, कहा- अगर चुना जाता हूं तो मस्क को अपना सलाहकार बनाना चाहूंगा

वाशिंगटन, एजेंसी।

रिपब्लिकन पार्टी के सबसे युवा राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने सुझाव दिया कि अगर वह अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव-2024 में राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो वह एलन मस्क को अपना सलाहकार बनाना चाहेंगे। न्यूज एजेंसी एएनआई ने अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट के हवाले से यह जानकारी दी है। मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि रूढ़िवादी उद्यमी ने आयोवा के एक टाउन हॉल में कहा कि वह अपने प्रशासन में मार्गदर्शन करने के लिए नए विचार वाले लोगों को लाएंगे, जिनमें स्पेसएक्स, टेस्ला और एक्स के अरबपति मालिक एलन मस्क भी शामिल हैं।

रामास्वामी ने कहा, मुझे हाल ही में एलन मस्क को बेहतर तरीके से जानने का मौका मिला। मुझे उम्मीद है कि वह मेरे लिए एक दिलचस्प

सलाहकार होंगे क्योंकि उन्होंने ट्विटर के 75 प्रतिशत कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था। उन्होंने पहले भी मस्क की सोशल मीडिया कंपनी एक्स के प्रबंधन की सराहना की थी और कहा था कि वह उसी तरह सरकार चलाना चाहेंगे जैसे मस्क कंपनी चलाते हैं।

रामास्वामी ने पिछले सप्ताह एक टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार में कहा था, उन्होंने ट्विटर के साथ जो किया वह इस बात का एक अच्छा उदाहरण है कि मैं अपने प्रशासन के लिए क्या करना चाहता हूं। उन्होंने कहा, डेड वेट लागत का 75 प्रतिशत निकाल दें और जो बच जाते हैं उसके वास्तविक अनुभव में सुधार करें।

भारतीय-अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ने आगे कहा, उन्होंने ट्विटर के जरिए एक एक्स लगाया, मैं देश के प्रशासनिक व्यवस्था के माध्यम से एक बड़ा एक्स लगाऊंगा। यह वजह है कि मैं एलन के साथ सामान्य रणनीति पर हूं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले मस्क ने एक साक्षात्कार में कहा था कि ट्विटर को 44 अरब अमेरिकी डॉलर में खरीदने के बाद उन्होंने कंपनी के कर्मचारियों की संख्या को 8,000 से घटाकर 1,500 कर दिया है। पिछले हफ्ते, मस्क ने कहा था कि उन्हें रामास्वामी एक बहुत आशाजनक उम्मीदवार लगते हैं।

रामास्वामी एक उद्यमी हैं और पहले भी बहस के दौरान अन्य राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के साथ कई बार गरमागरम चर्चाओं में शामिल हो चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रामास्वामी एक बायोटेक और हेल्थकेयर उद्यमी हैं, उन्होंने दो किताबें लिखी हैं, नेशन ऑफ विक्टिम्स- आइडेंटिटी पॉलिटिक्स, द डेथ ऑफ मेरिट, एंड द पाथ बैक टू एक्सीलेंस और वोक, इंक- इनसाइड कॉरपोरेट अमेरिकाज सोशल जस्टिस स्कैम।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रामास्वामी रिपब्लिकन प्राथमिक सर्वेक्षणों में अनुभवी राजनेताओं के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, लेकिन वह अभी भी एकल अंक में हैं और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बहुत पीछे हैं। 37 वर्षीय रामास्वामी का जन्म 9 अगस्त 1985 को हुआ था और उनका पालन-पोषण सिनसिनाटी, ओहियो में हुआ। उनके माता-पिता केरल से अमेरिका चले गए थे। वह निक्की हेली और हर्ष वर्धन सिंह के साथ तीसरे भारतीय-अमेरिकी हैं, जो अगले साल जनवरी में प्राइमरी में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ होंगे।

गोपनीय दस्तावेज मामले में जेल में इमरान खान से पूछताछ

इस्लामाबाद, एजेंसी।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से अटक जेल में शीर्ष जांच एजेंसियों ने पूछताछ की। इस दौरान उन्होंने राजनयिक 'केबल' (गुप्त संदेश) की प्रति खोने की बात स्वीकार कर ली है। बता दें, खान पर पहले से ही दस्तावेज के गलत उपयोग के लिए आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत मामला दर्ज है।

बताया जा रहा है कि पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की आतंकवाद विरोधी शाखा (सीटीडब्ल्यू) ने शनिवार को जेल में पूर्व प्रधानमंत्री से मुलाकात की। एफआईए के उपनिदेशक अयाज खान के नेतृत्व में छह सदस्यीय संयुक्त जांच दल ने अटक जेल के उपाधीक्षक के कार्यालय में खान से एक घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। पूछताछ के दौरान खान ने सिफर खोने की बात स्वीकार की। उन्होंने कहा कि उन्हें याद नहीं है कि सिफर को कहां

रखा है। खान ने इस बात से भी इनकार किया कि पिछले साल अपनी सरकार को हटाने से कुछ दिन पहले उन्होंने एक सार्वजनिक सभा में साजिश के सबूत के तौर पर जो कागज लहराया था, वह राजनयिक केबल था। खान ने कहा कि जनता के सामने जो कागज दिखाया था, वह कैबिनेट बैठक के मिनट्स थे, कोई सिफर नहीं। एजेंसी ने जांच के बाद सिफर के दुरुपयोग और इसके गलत इस्तेमाल में उनकी जानबूझकर संलिप्तता का पता चलने के बाद खान और पीटीआई के उपाध्यक्ष और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एफआईआर में यह भी कहा गया है कि पूर्व प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव आजम खान, पूर्व योजना मंत्री असद उमर और इसमें शामिल अन्य सहयोगियों की भूमिका जांच के दौरान निर्धारित की जाएगी।

गौरतलब है, एक अमेरिकी मीडिया संस्थान द्वारा गुप्त केबल की कथित प्रति प्रकाशित किए जाने के बाद खान जांच के घेरे में आ गए थे और शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली पिछली सरकार में कई लोगों ने लीक का स्रोत होने को लेकर पीटीआई प्रमुख पर अंगुली उठाई थी। पूर्व गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने कहा था कि अगर खान ने वास्तव में उन्हें प्रदान किए गए केबल की प्रति खो दी है, तो यह आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत अपराध होगा। खान इस महीने की शुरुआत में भ्रष्टाचार के एक मामले में एक सत्र अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद से तीन साल जेल की सजा काट रहे हैं।

चार यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना

केपकेनावेरल,एजेंसी

चार देशों के चार अंतरिक्ष यात्री स्पेसएक्स के रॉकेट से शनिवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए रवाना हुए। वे रविवार को अपने स्पेसएक्स कैप्सूल से अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच सकते हैं, जहां वे मार्च से रह रहे चार अंतरिक्ष यात्रियों की जगह लेंगे। 'केनेडी स्पेस सेंटर' से अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की एक अंतरिक्ष यात्री के साथ डेनमार्क, जापान और रूस के यात्रियों ने उड़ान भरी।

क्रू-7 नाम वाले इस मिशन में नासा की अंतरिक्ष यात्री जैस्मीन मोघबेली , यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के अंतरिक्ष यात्री एंड्रियास मोगेन्सन जेएक्सए (जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी) के अंतरिक्ष यात्री सातोशी फुरुकावा और रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री कॉन्स्टेंटिन बोरिसोव शामिल हैं।

अधिकारियों ने कहा, यह अमेरिका का पहला प्रक्षेपण है, जिसमें अंतरिक्ष यान की हर सीट पर अलग-अलग देश के अंतरिक्ष यात्री बैठे थे। इससे पहले तक नासा, स्पेसएक्स यान में दो या तीन अंतरिक्ष यात्रियों को शामिल करता था। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के महानिदेशक ने मिशन की तारीफ की।

एंड्रियास मोगेन्सन ने इंजीनियरिंग के बाद पश्चिम अफ्रीकी तट पर तेल रिग पर काम किया। जापानी अंतरिक्ष यात्री बनने से पहले फुरुकावा ने सर्जन के रूप में काम किया। रूसी यात्री बोरिसोव ने बिजनेस की पढ़ाई के बाद इंजीनियरिंग की। वह फीडाइविंग स्कूल में उस खेल को देखते है, जिसमें गोताखोर ऑक्सीजन टैंक से दूर रहकर पानी में अपनी सांस रोकते हैं।

अंतरिक्ष यात्रियों में शामिल जैस्मीन मोघबेली के माता-पिता 1979 की क्रांति के दौरान ईरान से भाग गए थे। जर्मनी में जन्मी और न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में पली-बढ़ी, वह मरीन में शामिल हो गई और अफगानिस्तान में हमले के हेलीकॉप्टर उड़ाए। पहली बार अंतरिक्ष यात्री को उम्मीद है कि वह ईरानी लड़कियों को दिखाएंगी कि वे भी ऊंचे लक्ष्य रख सकती हैं।

कीव के पास हवा में टकराए यूक्रेन के दो लड़ाकू विमान, तीन सैन्य पायलटों की मौत

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की राजधानी कीव के पास दो एल-39 प्रशिक्षण विमानों के हवा में टकराने से तीन यूक्रेनी पायलटों की मौत हो गई। यूक्रेन की वायु सेना ने शनिवार को एक बयान में कहा कि यह दुर्घटना शुक्रवार को झितोमिर क्षेत्र में हुई, जो राजधानी कीव के पश्चिम में स्थित है। यूक्रेन पश्चिम से मिलने वाले एफ-16 लड़ाकू विमानों को उड़ाने के लिए अपने हवाई कर्मचारियों को जल्द से जल्द प्रशिक्षित करने के लिए एक बड़ी कवायद की तैयारी में है। ऐसे में तीन पायलटों की मौत उसके लिए एक बड़ा झटका है। घटना पर दुख जताते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि विमान हादसे में मारे गए तीन सैन्य पायलटों में यूक्रेनी सेना के अधिकारी एंड्री पिलश्चिकोव शामिल हैं, जिन्होंने पूरी लगन के साथ देश की सेवा की। राष्ट्रपति जेलेंस्की पश्चिमी देशों से मिलने वाले 61 एफ-16 लड़ाकू विमानों को उड़ाने के लिए यूक्रेनी सैनिकों के प्रशिक्षण पर जोर दे रहे हैं। की वायु सेना ने पायलटों की मौत को अपूरणीय क्षति बताया यूक्रेन की वायु सेना ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, हम पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। यह हम सभी के लिए असहनीय और अपूरणीय क्षति है। दुर्घटना की परिस्थितियों की जांच की जा रही है। वायु सेना के अनुसार, मरने वाले पायलटों में जूस उपनाम का पायलट भी शामिल है, जिसने विदेशी मीडिया को कई साक्षात्कार दिए थे।

बुखारेस्ट में गैस स्टेशन में दो विस्फोट, एक की मौत; 57 घायल

बुखारेस्ट, एजेंसी।

रोमानिया के राजधानी शहर बुखारेस्ट के पास एक एलपीजी (तरलीकृत पेट्रोलियम गैस) स्टेशन पर दो विस्फोटों में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 57 अन्य घायल हो गए। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी है। सरकार के मुताबिक, बुखारेस्ट के उत्तर में क्रेवेडिया कम्यून में आग बुझाने में मदद कर रहे 39 दमकलकर्मी दूसरे विस्फोट में घायल हो गए। इसके अलावा, अस्पताल के प्रतिनिधियों

और स्थानीय मीडिया ने बताया है कि घायलों में से लगभग 10 की हालत गंभीर है। अल जजीरा की खबर के मुताबिक, रोमानिया के आपातकालीन स्थिति निरीक्षणालय ने कहा कि आग लगने के बाद लगभग 25 दमकल गाड़ियां आग पर काबू पाने के लिए मौके पर पहुंचीं। हालांकि, प्रधानमंत्री मार्सेल सिओलाकू ने कहा कि घायलों को इलाज के लिए विदेश भेजा जा सकता है। सिओलाकु ने विस्फोट के बाद गृह मंत्रालय में एक संकट प्रकोष्ठ की बैठक में भाग लिया।राज्य एजेंसियों के साथ एक आपातकालीन बैठक के बाद सियोलाकू ने कहा, हमें लगता है कि चार रोगियों को आज रात इटली और बेल्जियम के अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।मंत्रालय के अनुसार, 800 मीटर के दायरे में लगभग 300 लोगों को निकाला गया है। रोमानिया के आपातकालीन विभाग के प्रमुख राएद अराफात ने कहा, क्षेत्र का आकलन करने की आवश्यकता है। यह क्षेत्र अभी भी खतरनाक है ... एक अन्य टैंकर पर एक और विस्फोट का खतरा है।

देश के राष्ट्रपति क्लॉस इओहनीस ने इस घटना को त्रासदी करार दिया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर घटना को लेकर दुख जताया है। उन्होंने कहा,यह देखने के लिए जल्द से जल्द जांच शुरू की जानी चाहिए कि क्या नियमों को तोड़ा गया है। मैं अधिकारियों से घायलों के लिए तत्काल उपाय करने के लिए कहता हूं ताकि ये त्रासदी फिर से न हो।

सार-समाचार

विद्यार्थी के आवश्यकता के आधार पर मिलेगी मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति, फॉर्म एवं जानकारी हेतु सहायक आयुक्त कार्यालय में कर सकते हैं संपर्क

अशोक जैन रिपोर्ट/ कांकेर । छत्तीसगढ़ राज्य के निम्न आय वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थी जो व्यावसायिक षैक्षणिक संस्थाओं जैसे-भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भारतीय प्रबंध संस्थान, भारतीय विधि संस्थान जैसे संस्थानों में प्रवेष परीक्षा के माध्यम से चयन उपरांत इन संस्थानों में प्रवेष के समय विद्यार्थी के आवष्यकता के आधार पर छात्रवृत्ति की राषि प्रदान की जायेगी। उपरोक्त योजना का लाभ लेने के लिए संस्थान में प्रवेश की सूचना प्राप्त होते ही विद्यार्थी निर्धारित आवेदन पत्र में आवेदन कर सकते हैं। इससे संबंधित अभिलेख संलग्न कर 15 दिवस के भीतर आयुक्त, संचालक आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग इंद्रावती भवन रायपुर को प्रस्तुत करना होगा। उक्त छात्रवृत्ति के लिए आवेदन फॉर्म एवं विस्तृत जानकारी के लिए सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग कांकेर में संपर्क किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में मंत्री मोहन मरकाम गेड़ी दौड़ में दिखाया कमाल, प्रतिद्वंदियों को पीछे छोड़ आए पहले स्थान पर

कोण्डागांव। कोण्डागांव में आयोजित जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में मंत्री मोहन मरकाम ने कमाल कर दिया. उन्होंने तमाम प्रतिद्वंदियों को पीछे छोड़ते हुए गेड़ी दौड़ में पहले स्थान पर आए. वहीं मंत्री की पत्नी को रस्सा खींच में हार का सामना करना पड़ा। आदिम जाति कल्याण मंत्री मोहन मरकाम के हाथों आज विकास नगर स्टेडियम में जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल का शुभारम्भ हुआ. इस अवसर पर आयोजित गेड़ी दौड़ में मोहन मरकाम ने गेड़ी दौड़ में भाग लिया, जिसमें अन्य प्रतिद्वंदियों को पराजित करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं जनप्रतिनिधियों और शासकीय कर्मचारियों-अधिकारियों के बीच हुई रस्सा खींच प्रतियोगिता में मंत्री की पत्नी को हार का सामना करना पड़ा. रेफरी की भूमिका निभा रहे मरकाम की पत्नी के रस्सी खींचते समय गिर गईं, इस पर मंत्री अपनी हंसी नहीं रोक पाए. इस अवसर पर मंत्री मोहन मरकाम ने कहा कि खेल-कूद में सब जायज है. खेल भावना होती है, कोई किसी की ओर नहीं होता. उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने स्थानीय खेल को जिन्दा करने का काम किया है।

मिनी राईस मिल के जरिये सोमारी ने बदली अपने परिवार की तकदीर

जगदलपुर। बस्तर ब्लॉक अंतर्गत तारागांव निवासी सोमारी मौर्य ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की सहायता से गांव में ही मिनी राईस मिल खोलकर अब आर्थिक रूप से सक्षम बनकर अपने परिवार की तकदीर बदल चुकी हैं। सोमारी बताती हैं कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद समूह के सदस्यों के साथ सामूहिक बैठक, चर्चा और आपसी बचत की दिशा में सीख मिली, वहीं आजीविका गतिविधियों के संचालन के लिए प्रेरित हुई। समूह से होने वाले लाभ के बारे में जानने-समझने का अवसर मिला और छोटी-छोटी ऋण लेकर समय पर चुका देना और अपनी आर्थिक गतिविधि को बढ़ाने में ध्यान दी। जिससे वह परिवार की छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए मदद देने लगी। इसके पश्चात वह बैंक लिंकेज की सहायता से गांव में ही मिनी राईस मिल स्थापित कर ग्रामीणों को धान मिलिंग की सुविधा उपलब्ध करवा रही हैं।

सोमारी ने बताया कि समूह का जब बैंक लिंकेज हुआ तो अपने स्वयं के लिए अच्छा सा व्यवसाय शुरू करने का मन बनाया। वहीं इस बारे में स्व सहायता समूहों के क्लस्टर बैठक के दौरान अपने सोच को साझा कर इस बारे में सलाह भी ली। इस बैठक में गांव में संचालित दुकानों एवं विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के सम्बंध में पूछा गया और गांव तथा समीपवर्ती गांवों के ग्रामीणों की जरूरतों के मद्देनजर स्थानीय स्तर पर मिनी राईस मिल स्थापित करने का मार्गदर्शन मिला। सोमारी ने इस बारे में घर के सदस्यों को भी अवगत कराया तो वे भी इस सम्बंध में सहमत हो गये। अब सोमारी परिवार का सम्बल मिलने से स्वयं के लिए व्यवसाय स्थापित करने जुट गई। सोमारी ने इस दिशा में समूह के बैंक लिंकेज का 50 हजार रुपये ऋण लेकर व्यवसाय सम्बन्धी 3 दिवसीय प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। इसके पश्चात सोमारी ने अपने घर पर ही मिनी राईस मिल स्थापित कर किसानों और ग्रामीणों के धान का मिलिंग शुरू कर दिया। इससे ग्रामीणों को भी स्थानीय स्तर पर धान मिलिंग की सुविधा मिल रही है और समीप के गांवों के लोग भी सोमारी के मिनी राईस मिल के जरिये धान कुटाई से लाभान्वित हो रहे हैं। सोमारी अपनी इस मिनी राईस मिल का समुचित संचालन कर हर महीने 8 से 10 हजार रुपये आमदनी अर्जित कर रही हैं और अपने दो बेटे एवं एक बेटी की पढ़ाई पर ध्यान दे रही हैं। वहीं अपने पति के खेती-किसानी कार्य के लिए भी मदद प्रदान कर परिवार को खुशहाली की ओर अग्रसर कर चुकीं हैं।

भाजपा मंडल नरहरपुर के 41 युवा व महिलाओं ने थामा भाजपा का दामन

अशोक जैन रिपोर्ट

कांकेर। जैसे जैसे चुनाव नज़दीक आता जा रहा वैसे वैसे नरहरपुर क्षेत्र में भाजपा की सक्रियता बड़ती जा रही वही लोगों का भाजपा के प्रति विश्वास भी बड़ता जा रहा इस बात का प्रमाण भाजपा मंडल नरहरपुर के ग्राम बागडोंगरी में 41 युवा व महिलाओं का भाजपा प्रवेश करना है इसी कड़ी में कल शाम कांकेर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी आशा राम नेताम व मंडल अध्यक्ष मुकेश संचेती हेमंत साहू ग्राम बागडोंगरी पहुँचें जहाँ स्थानिय कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों से मुलाक़ात कर प्रत्याशी आशा राम नेताम ने सभी का आशीर्वाद लिया तथा आगामी चुनाव में भाजपा को जिताने का आह्वान किया किया वही मंडल अध्यक्ष मुकेश संचेती ने कहा कि पौने पाँच साल पुरे होने आ रहा परन्तु बागडोंगरी क्षेत्र उपेक्षा का शिकार हो गया भाजपा सरकार मे बागडोंगरी से मुरूमतरा के बीच बड़ा पुल निर्माण कराया गया ताकी ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिल सके वही इस रोड जो कच्चा रास्ता है वह भी बुरी तरह ख़राब हो चुका यह कांग्रेस सरकार पाँच साल पुरे होने आ रहा एक किमी का यह सड़क तक डामर रोड नहीं बनवा सकी वही बागडोंगरी में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल मिलना था वही भी अब तक पुरा नहीं हो सका यह कांग्रेस सरकार की विफ्लता व बागडोंगरी की उपेक्षा को बता रहा और यही वजह है कि आज बागडोंगरी के बड़ी संख्या में महिला व युवा भाजपा प्रवेश कर रहे यह स्पष्ट है कि लोगों का कांग्रेस पर से भरोसा उठ गया इसी कड़ी में प्रत्याशी आशा राम नेताम मंडल अध्यक्ष मुकेश संचेती शक्ति केंद्र प्रभारी हेमंत साहू ज्ञान साहू मदन गंजीर विजय सुरोजिया मनबोध साहू ने सभी नव प्रवेशीयो का तिलक लगाकर भाजपा गमछा पहनाकर भाजपा परिवार में स्वागत किया इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ता बलराम साहू रोशन साहू आशा राम साहू हरवंश साहू भीखम साहू सूर्यकांत बनपेला सहीत सभी भाजपा प्रवेश करने वाले कुशल नेताम यशवंत सुरोजिया याजेन सुरोजिया पुनीत निषाद जोहित सूरोजिया चेतन महाप्रभु कोष्ण साहू नंद कुमार निषाद दीपक यादव देवकी साहू भामिनी साहू तोमेशवरी यादव चन्द्रिका साहू नूतन साहू प्रभा यादव सावित्री नेताम पेमिन साहू रेवती साहू टिकेशवरी साहू ललिता साहू डामेशवरी साहू अशतला साहू सुरेखा नेताम रेखा नेताम मोहनी गंजीर अनिल उईके कंशु मरकाम दूजेश गंजीर सुरेश नेताम आदी युवा व महिलाओं ने भाजपा प्रवेश किया!

पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा द्वारा विधानसभा चुनाव की तैयारी एवं कानून व्यवस्था के संबंध में समीक्षा बैठक ली गई

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर) पुलिस अधीक्षक दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा गौरव राय के द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव 2023 की तैयारी एवं कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए समीक्षा बैठक पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभगार में लिया गया। बैठक के दौरान जिले के कानून व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा को बढ़ाने व अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु थाना प्रभारियों द्वारा अब तक की गई कार्यवाही की समीक्षा की गई। उक्त बैठक में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी सम्मिलित हुये। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थानों में दर्ज लंबित अपराध,मर्ग, गुमइंसान, शिकायत, लघु अधिनियम एवं प्रतिबंधात्मक कार्यवाही आदि की समीक्षा कर सभी के त्वरित निराकरण किये जाने के निर्देष दिए। आगामी विधान सभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए जिले में प्रतिबंधात्मक कार्यवाही एवं लघु अधिनियम जैसे आबकारी, जुआ सट्टा आदि में अधिक से अधिक कार्यवाही करने के साथ साथ अपने अपने थाना क्षेत्र में पेट्रोलिंग एवं गष्त बढाकर असमाजिक तत्वों के विरूद्ध लगातार कार्यावाही करने के निदेष दिए। आगामी विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान बाहर से आने वाले सीएपीएफ सुरक्षा बलों के ठहरने की व्यवस्था, उनके आवागमन हेतु रूट एवं आवष्यक वाहनों की संख्या आदि के संबंध में विस्तार से चर्चा कर संबंधितों को निर्देष दिए गए। चुनाव ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मी भी अपना मतदान दे सकें इसलिए प्रावधानों के तहत समस्त पुलिस कार्मियों को डाक मतपत्र हेतु आवष्यक फार्म एवं प्रारूप तैयार किय जाने हेतु निर्देष दिए गए। जिले के आदतन अपराधी, गुण्डा बदमाश एवं अपराधी प्रवृत्ति के लोगों की पहचान करने, शराब, गांजा और अन्य मादक पदार्थ बिक्री करने वाले व्यक्तियों पर भी विशेष निगरानी रखने के साथ साथ थाना क्षेत्र के वारंटियों की धर पकड़ हेतु भी विषेष अभियान चलाकर समय सीमा में वारंट तामील करने के भी निदेष दिए। समीक्षा बैठक के दौरान समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थानों क्षेत्रों में लगातार कार्यवाही करने हेतु निदेषित किया गया ताकि अपराधियों में पुलिस का भय व्याप्त हो सके व आम जनता हेतु भय मुक्त वातारण निर्मित कर निष्पक्ष निर्वाचन संपन्न किया जा सके। पुलिस अधीक्षक ने लंबित आपराधिक मामलों के यथाशीघ्र निपटारा के लिए सभी स्तर पर पुलिस पदाधिकारियों को तेजी लाने के साथ आने वाले समय में पर्व-त्यौहार के दौरान शांति व्यवस्था बहाल करने पर चर्चा की गई। चुनाव के दौरान आदर्ष आचार संहिता के अनुपालन हेतु पुलिस बल के लिए आवष्यक प्रषिक्षण आयोजित किये जाने हेतु भी संबंधित अधिकारियों को निदेष दिया गया। बैठक के दौरान जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक- आर.के बर्मन, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बारसूर सुश्री आषारानी, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी किरंदुल श्री कमलजीत पाटले, उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) के.के. चन्द्राकर, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कुआकोण्डा गोविंद सिंह दीवान, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी दन्तेवाड़ा राहुल उईके, एवं जिले के समस्त थाना प्रभारी व अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

प्रोजेक्ट उन्नति अंतर्गत सब्जी नर्सरी प्रबंधन एवं खेती प्रशिक्षण का हुआ समापन

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर) 29 अगस्त 2023। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग भारत सरकार द्वारा संचालित भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (एसबीआई आरसेटी) माझीपदर दंतेवाड़ा में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दंतेवाड़ा के मार्गदर्शन में जिले में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजनान्तर्गत 100 दिवस कार्य पूर्ण किये मजदूरों का कौशल विकास करने हेतु प्रोजेक्ट उन्नति अंतर्गत सब्जी नर्सरी प्रबंधन एवं खेती कार्य का 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।

इस प्रशिक्षण समापन कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मिथलेश किसान एवं जिला रोजगार अधिकारी श्री अमित कुमार वर्मा द्वारा किया गया। ज्ञात हो कि इस 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में दंतेवाड़ा जिले के विभिन्न पंचायतों के 53 प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया, यह प्रशिक्षण में प्रशिक्षार्थियों को उन्नत कृषि एवं जैविक कृषि सब्जी नर्सरी प्रबंधन रखरखाव उत्पादन व विक्रय करने हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया गया प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को थ्योरिटिकल प्रैक्टिकल एवं खेल के माध्यम से आत्मविश्वास बढ़ाने, जोखिम लेने, समय प्रबंधन, आदि प्रशिक्षण कराया गया। इसके अलावा यह प्रशिक्षण में पूर्णत: नि:शुल्क था जिसमें प्रशिक्षणार्थियों के लिए भोजन, हॉस्टल, प्रशिक्षण सामग्री की व्यवस्था थी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रोजगार गारंटी योजना में कार्यरत मजदूरों को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रोत्साहित किया जाना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, क्रेडा विभाग के अधिकारियों को योजनाओं की जानकारी हेतु प्रशिक्षण में आमंत्रित भी किया गया था। प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को उद्यानिकी विभाग के नर्सरी पुरनतराई का फील्ड विजिट कराया गया था, यह प्रशिक्षण आरसेटी के द्वारा आयोजित किया गया था। इस दौरान नितेश देवांगन, उमेश पाल जिला कार्यक्रम प्रबंधक, धनंजय टंडन, ओम प्रकाश साहू फैकल्टी, रितेश साहू यंग प्रोफेशनल जनपद पंचायत उपस्थित थे। कार्यक्रम समापन के दौरान आगन्तुक अधिकारियों ने उद्बोधन में प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार से जोड़ने प्रेरित किया गया एवं प्रशिक्षणार्थियों द्वारा भी स्वरोजगार से जुड़ने हेतु आश्वस्त किया गया, कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित अतिथियों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया।

जिले के एक लाख 73 हजार से अधिक बच्चों को दी जाएगी विटामिन ए और आयरन फोलिक एसिड सिरप

जगदलपुर। जिले में में शिशु एवं मातृ स्वास्थ्य संवर्धन हेतु शिशु संरक्षण माह 29 अगस्त से 29 सितम्बर 2023 तक प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को विलेज हेल्थ सेनीटेशन एण्ड न्युट्रीशन डे एवं अरबन हेल्थ सेनीटेशन एण्ड न्यूट्रीशन डे के माध्यम से एसएसएम की सेवाओं की प्रदायगी की जायेगी। इस बारे में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आरके चतुर्वेदी ने बताया कि जिले में शिशु संरक्षण माह के सुचारू आयोजन के लिए सभी तैयारी पूर्ण कर ली गयी है। जिसके तहत लक्षित बच्चों एवं माताओं को सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की प्रमुख भूमिका होगी। सीएमएचओ डॉ चतुर्वेदी ने बताया कि शिशु संरक्षण माह के दौरान लक्षित बच्चों को विटामिन ए की खुराक दी जायेगी, विटामिन ए सूक्ष्म पोषक तत्व है जिसकी कमी से रतौंधी होती है, जो कि केवल विटामिन ए से ठीक होता है एवं शरीर की वृद्धि एवं रोग प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाता है। 09 माह से 05 वर्ष के बच्चों को 06 माह के अन्तराल में कुल 09 डोज दिया जाना है। इसके साथ ही सभी गर्भवती माताओं एवं शिशुओं तिथि के अनुसार टीकाकरण किया जायेगा, साथ ही उन हितग्राही जो नियमित टीकाकरण से छुटे हुए हैं उन्हें कव्हर किया जायेगा। इस दौरान जन्म के 24 घण्टे के भीतर दी जाने वाली डोज वैक्सीन हेपेटाइटिस बी और पोलियो भी सुलभ करायी जाएगी। वहीं 06 माह से 05 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को आयरन फोलिक एसिड सिरप की 20 मिलीग्राम की मात्रा सप्ताह में दो दिन दिया जाना है, जो कि बच्चों को एनीमिया होने से रोकता है, एवं एनीमिया से ग्रसित बच्चों को मानसिक एवं शारीरिक विकलांगता से रोकती है। शिशु संरक्षण माह आयोजन के दौरान गर्भवती जांच एवं देखभाल सभी गर्भवती माताओं को इस दौरान एएनसी चेकअप की जाएगी एवं आवश्यकतानुसार उपचार एवं सलाह दी जावेगी।

शिशु संरक्षण माह का आयोजन 29 सितम्बर तक

अशोक जैन रिपोर्ट

कांकेर। जिले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में 29 अगस्त से 29 सितम्बर तक शिशु संरक्षण माह का आयोजन किया जायेगा। इस अवधि में जिले में आयोजित टीकाकरण सत्रों में 09 माह से 05 वर्ष तक आयु समूह के 56,041 लक्षित बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाया जावेगा। जिले में 06 माह से 05 वर्ष आयु समूह के 60,610 बच्चों को आयरन फोलिक एसिड की खुराक सप्ताह में दो बार दिया जायेगा तथा टीकाकरण से छूटे हुए तथा नियमित टीकाकरण के लक्षित बच्चों को बी.सी.जी., हेपेटाइटिस-बी, डी.पी.टी., ओ.पी.व्ही, आई.पी.व्ही. पी.सी.व्ही., मीजल्स-रूबेला तथा पेंटावेलेंट के टीके लगाकर प्रतिरक्षित किया जावेगा। जिले को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए 05 वर्ष तक के बच्चों का वजन तथा अति कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन कर उनके पोषण स्तर में सुधार लाने हेतु जिले में संचालित संबंधित क्षेत्र के पोषण पुनर्वास केन्द्रों में भर्ती कर उपचार किया जावेगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. ओ.पी शंखवार ने बताया कि शिशु संरक्षण माह के सफ्ल क्रियान्वयन हेतु लगने वाले आवश्यक प्रपत्र, पोस्टर तथा विटामिन ए सिरप, आयरन फोलिक एसिड सिरप सभी विकासखण्डों में वितरित किया जा चुका है। उन्होंने जिले के आम नागरिकों से अपील किया है कि शिशु संरक्षण माह के सफ्ल संचालन एवं शत प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने हेतु अपने तथा अपने आस-पास के 09 माह से 05 वर्ष तक के सभी बच्चों को विटामिन ए एवं 06 माह से 05 वर्ष तक के आयु के सभी बच्चों को आयरन फोलिक एसिड की खुराक देने सहयोग प्रदान करें।

मवेशियों के मालिक को अपने घर पर बांधकर रखने हेतु की गई अपील-जिला पंचायत सीईओ, जिला पंचायत सीईओ ने की कामकाज की समीक्षा

सड़क में विचरण करने वाले आवारा मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर रखने के निर्देश

चंद्रप्रकाश टोंडे की रिपोर्ट : कलेक्टर श्री चंदन कुमार के निर्देश पर मुख्य कार्यक्रम अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती नम्रता जैन ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग योजना अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की कामकाज की विस्तृत समीक्षा की है। उन्होंने बैठक में गोधन संरक्षण किए जाने हेतु जिले में मुख्य मार्गो में विचरण करने वाले लावारिस मवेशियों के गले पर स्व सहायता समूह से निर्मित रेडियम का पट्टी लगाने के निर्देश पशुपालन विभाग एवं जनपद पंचायत सीईओ को दिए है। निश्चित रूप से यह जिले का सराहनीय कार्य है इससे मुख्य मार्ग में होने वाले सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है। अभी तक जिले में लगभग 7 सौ रेडियम बेल्ट लगा चुके है जिसमे और अधिक से अधिक बैल्ट लगाने कहा है। उन्होंने बैठक में प्रधानमंत्री आवास के लाभांवित हितग्राहियों को आवास पूर्ण करने हेतु प्रधानमंत्री आवास के

समस्त आवास प्रभारी एवं महात्मा गांधी महात्मा गांधी नरेगा के तकनीकी सहायकों को जिला पंचायत ने दो टूक कहा कि हितग्राही मुलाकात कार्यों में लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जावेगी। महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत आदर्श आचार संहिता को देखते हुए सभी ग्राम पंचायत में पर्याप्त मात्रा में मजदूरी मूलक कार्य का प्राक्कलन स्वीकृति हेतु अभिलंब जिला पंचायत को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए है।महात्मा गांधी नरेगा योजना से जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य तथा आजीविका संवर्धन हेतु कृषि से संबंधित कार्य का प्रस्ताव प्रमुखता से बनाए जाएं और उससे होने वाले लाभ के बारे में हितग्राहियों को अवगत कराया। इसी तरह स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना अंतर्गत गांव में निर्मित कचरा कलेक्शन सेंटर के साथ-साथ सामुदायिक शौचालय के उपयोग पर जोड़ दी गई है निश्चित रूप से इस प्रयास से जिले में एक नया स्वच्छता का वातावरण निर्मित होगा। स्वच्छ भारत मिशन योजना अंतर्गत हितग्राहियों के निजी भूमि पर नाटक टैंक निर्माण और रिचार्ज पीठ किस विकृति महात्मा गांधी नरेगा योजना से दी गई है जिसको अभिलंब पूर्ण करने के निर्देश जिले के सभी तकनीकी सहायक ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक को दिए गए हैं।बिहान योजना अंतर्गत ग्रामीण परिवेश में स्थित सभी महिलाओं को योजनाओं का भरपूर लाभ मिले कोई भी परिवार समूह में जुड़ने से वंचित न रहे इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत के साथ-साथ बिहान योजना से जुड़े हुए सभी अधिकारी कर्मचारियों को निर्देशित किया गया।ग्राम पंचायत में पूर्ण होने वाले कार्यों का द्वितीय एवं अंतिम किस्त हेतु मांग पत्र समय सीमा के भीतर जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने के लिए निर्देश मूल्यांकन एवं सत्यापन कार्य में लापरवाही उचित नहीं है इसमें ग्रामीण यंत्र की सेवा विभाग के अनुभाग्य अधिकारी ग्रामीण यंत्री की सेवा उप अभियंता के साथ-साथ समस्त तकनीकी सहायकों को निर्देशित किया गया कि पूर्ण कार्यों का मूल्यांकन पश्चात सत्यापन करते हुए मांग पत्र जिला पंचायत कार्यालय को उपलब्ध करावे साथ ही प्रत्येक कार्य का जनपद पंचायत स्तर पर बारीकी से समीक्षा किया जाए।उक्त बैठक में कसडोल प्रभारी सीईओ नम्रता चौबे, प्रभारी उपसंचालक पंचायत सुरेश कंवर,मनरेगा पीओ केके साहू सहित समस्त जनपद पंचायत सीईओ एवं अन्य सम्बंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

कपड़ा मार्केट दुकान से नकदी सहित मोबाइल पार हुए

रायपुर। महालक्ष्मी कपड़ा मार्केट शॉप का शटर उठाकर अज्ञात चोर ने 3 नग मोबाइल व नकदी 25 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर देवेन्द्र नगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी कुबेर रूंगटा 37 वर्ष रोहणीपुरम डीडीनगर का रहने वाला है। प्रार्थी के जीजा महावरी जैन का महालक्ष्मी कपड़ा मार्केट शॉप में सिद्धि विनायक नाम से दुकान है। बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने उस दुकान के शटर को उठाकर तीन नग मोबाइल और नकदी 25 हजार रुपए पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 50 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफधारा 457, 380 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

पुरानी रंजिश के चलते युवक को पीटा

रायपुर। ग्राम धनेली में पुरानी रंजिश के चलते दो युवकों ने एक युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर धरसींवा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी राहुल शर्मा 26 वर्ष हीरापुर का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी शरेन्द्र शर्मा व अन्य ने पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर धरसींवा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफधारा 294, 506, 323, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सरेआम शराब पीते 18 गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी पुलिस ने नशेडियों के खिलाफअभियान चलाकर सरेआम शराब पीते 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी के खिलाफआबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार तेलीबांधा पुलिस ने लाभांडी शराब दुकान के पास सरेआम शराब पीते आरोपी अमर सिंह 48 वर्ष व योगेश्वर ध्रुव 43 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह पुरानी बस्ती पुलिस ने आरोपी थानेस साहू 23 वर्ष व उरला पुलिस ने आरोपी श्रवण कुमार साहू 46 वर्ष व रामु साहू 38 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं खमतराई पुलिस ने आरोपी रमन सिंह ध्रुव 48 वर्ष व वकील साह 27 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह मोवा पुलिस ने आरोपी अरूण वर्मा 23 वर्ष व मंदिरहसौद पुलिस ने आरोपी भुनेश्वर धीवर 36 वर्ष, नीरज महेश्वरी 31 वर्ष व सुरेश गायकवार्ड 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं आरंग पुलिस ने आरोपी सूरज पुरैना 25 वर्ष, राम स्वरूप साहू 45 वर्ष, टेटकू निषाद 25 वर्ष व राजा टण्डन 27 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह खरोरा पुलिस ने आरोपी समीर ढीढी 38 वर्ष व गोलबाजार पुलिस ने आरोपी मनीष सिंह ठाकुर 38 वर्ष व आलेख पटेल 36 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

गांजा बेचते युवक पकड़ाया

रायपुर। गुढियारी पुलिस ने गांजा बेचते एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 3 किलो 200 ग्राम गांजा जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि गोगांव ओव्हरब्रीज के पास एक युवक अवैध रूप से गांजा बेच रहा है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी राजू निर्मलकर 22 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 3 किलो 200 ग्राम गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत करीब 32 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

अवैध शराब बेचते तीन गिरफ्तार

रायपुर। नेवरा व विधानसभा पुलिस के टीम ने अवैध शराब बेचते तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 52 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 1150 रुपए जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार नेवरा पुलिस ने अवैध शराब के साथ आरोपी दारा सिंह जोशी 34 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 20 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 300 रुपए जब्त किया है। इसी तरह विधानसभा पुलिस ने आरोपी घनश्याम निषाद 34 वर्ष व डोमन तुरकाने को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन दोनों के पास से 32 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 1150 रुपए जब्त किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफआबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

मारपीट से घायल युवक की गई जान, चार के खिलाफ जुर्म दर्ज

रायपुर। चंदखुरी बस्ती में चोरी के नियत से घुसे युवक से मारपीट कर घायल कर दिया था। जिसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले में मंदिरहसौद पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ हत्या का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मनोज रैला 29 वर्ष चंदखुरी का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी के भाई राजेश रैला 31 वर्ष तुलाराम धीवर के निर्माणाधीन मकान में चोरी के नियत से घुसा था, जिसे आरोपी असन्न धीवर, सुनील वर्मा, भानु यादव व लेखू ध्रुव ने पकड़कर हाथ-पैर को रस्सी से बांधकर मारपीट किए और छोड़ दिया।

2500 हेक्टेयर में सिंचाई होगी

कौही लिफ्ट इरीगेशन योजना का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण.....

- मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने इस अवसर पर कौही के प्राचीन शिव मंदिर में जलाभिषेक भी किया

रायपुर/ संवाददाता

श्रावण मास के अंतिम सोमवार को आज मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने पाटन में कौही में प्राचीन शिव मंदिर में जलाभिषेक किया। साथ ही इस अवसर पर 7 करोड़ की लागत से बने कौही लिफ्ट इरीगेशन योजना का लोकार्पण भी किया। इससे 2500 हेक्टेयर में सिंचाई हो सकेगी। कौही उद्वहन सिंचाई योजना से ग्राम कौही, बोरेंदा, जरवाय, केसरा, खम्हरिया, डंगनिया, तरींघाट, सोनपुर और सिपकोना के किसानों को सिंचाई का लाभ मिलेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री बघेल ने अपने कौही के पहले दौरे के अवसर पर ही यहां के पुरानी उद्वहन सिंचाई योजना को अपडेट करने की घोषणा की थी। योजनांतर्गत इंटक वेल का रेडियस जो पहले 6 मीटर था इसको 12 मीटर किया गया है। वहीं 150 एच.पी. के पांच वीटी पंप स्टॉल किए गए हैं। जिससे लिफ्ट ऐरीगेशन की क्षमता में कई गुणा वृद्धि हुई है। सम्पूर्ण नहर प्रणाली का लाइनिंग कार्य भी किया गया है। कौही उद्वहन सिंचाई योजना की क्षमता बढ़ने से इस क्षेत्र के सैकड़ों किसानों को राहत पहुंची है। कार्यक्रम में सभी वर्ग के विकास के लिए योजनाएं संचालित कर रही है। सांस्कृतिक गतिविधियों को पुनर्जीवित करने का काम कर रही है। सरकार की योजनाओं से प्रदेश को पहचान मिली है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने लोगों की मांग पर मंदिर परिसर के सौन्दर्यीकरण का भरोसा दिलाया। उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए सेवा का अवसर प्रदान करने लोगों का आह्वान किया। कार्यक्रम को जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री अशोक साहू ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

शिवालयों में सुबह से ही गूंज रहा हर-हर महादेव

सावन के अंतिम सोमवार के अवसर पर आज राजधानी के सभी शिवालयों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ लगी रही। तड़के से ही शिवालयों में बम भोले-जय भोले के जयघोष सुनाई देने लगा था।

शैलो ट्यूबवेल योजना का लाभ उठा रहे हैं ग्रामीण किसान....

- अब खरीफ के अलावा रबी की फसल का भी ले रहे हैं लाभ

रायपुर/ संवाददाता

राज्य शासन की कृषि योजनाओं से किसानों का खेती के प्रति रूझान बढ़ा है। शासन द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है जिनमें से शैलो ट्यूबवेल योजना महत्वपूर्ण है। इस योजना का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रहे हैं। लघु और सीमांत किसानों के लिए खेती-किसानी हमेशा से चुनौती पूर्ण रही है। राज्य में कई किसान सिंचाई की कमी की वजह से उन्नत कृषि नहीं कर पाते। इसके अलावा रबी और खरीफ की फसल भी नहीं ले पाते। पूरी तरह मानसून पर आधारित खेती में किसान हमेशा चिंतित रहता है। ऐसे किसानों के लिए शैलो ट्यूबवेल योजना काफी लाभप्रद साबित हो रहे हैं। योजना का लाभ लेते हुए महासमुंद विकासखण्ड के ग्राम चिंगरौद के ऐसे ही लघु सीमांत कृषक श्री तेजकुमार साहू ने खेती को घाटे से उबारते हुए कृषि को लाभदायक बनाया है। वे बताते है कि पूर्व में सिंचाई के साधन नहीं होने से खरीफ में ही खेती का कार्य करते थे, सिंचाई पूरी तरह मानसून पर निर्भर होने के कारण उत्पादन कम होता था। जिससे फसल उत्पादन की मात्रा उम्मीद से कम होता था। लागत की तुलना में आय कम प्राप्त होती थी। इस कारण घर की आर्थिक स्थिति कमजोर थी।

कृषक श्री साहू ने कृषि विभाग द्वारा संचालित राजिम भक्तिन धारा योजना अंतर्गत शैलो ट्यूबवेल का लाभ उठाकर अपने खेत में ट्यूबवेल खुदवाया। जिससे अब वे रबी और खरीफदोनों फसल लेते हैं। अब खेती का रकबा सिंचित होने से फसल का नुकसान नहीं होता है। कृषक अब वर्षा के ऊपर निर्भर नहीं है। कृषक के द्वारा खरीफ में धान फसल तथा रबी में दलहन, तिलहन व अन्य फसल का उत्पादन करता है।

भाजपा ईडी के बलबूते चुनाव लड़ेगी-मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पुलिस लाईन हेलीपैड पर पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहा कि कल सरगुजा में भाजपा के प्रभारी ओम माथुर ने ईडी की कार्यवाही पर कहा अभी चुनाव आते तक देखिये क्या-क्या होता है। भाजपा प्रभारी का यह बयान यह साबित करने के लिये पर्याप्त है कि भाजपा ईडी के बलबूते चुनाव लड़ेगी ईडी की कार्यवाही चुनाव को देखकर हो रही है। एक विभाग में गड़बड़ी नहीं पकड़ पाते दूसरे में लग जाते है। कोल, आबकारी, माईनिंग डी.एम.एफ चावल अब सुना है जल जीवन मिशन बिना किसी ठोस आधार के राज्य सरकार के सभी विभागों पर कार्यवाही यह साबित करने के लिये छत्तीसगढ़ में हर जगह गड़बड़ी हैं यह चुनावी हथियार है इसको हम जनता के बीच लेकर जायेंगेछत्तीसगढ़ में पिछले एक वर्ष में ई.डी. और आई.टी. अधिकारियों ने 200 से भी अधिक व्यक्तियों/संस्थाओं तथा शासकीय कार्यालयों में छापेमारी की गयी है। ई.डी. के अधिकारियों द्वारा दमन और प्रताड़ना को हथियार बनाकर बिना चल-अचल संपत्ति की रिकवरी के झूठे ब्यानों के आधार पर सैकड़ों करोड़ के कथित कोयला घोटाला, शराब घोटाला, चावल घोटाला तथा अब महादेव ऐप्स घोटाला होने का दुष्प्रचार किया जा रहा है। महत्वपूर्ण बिंदु -1. महादेव ऐप घोटाला - महादेव ऐप तथा अन्य अनेक ऑनलाइन गेमिंग ऐप पूरे देश में चल रहे हैं। भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश, हरियाणा, गुजरात, उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र जैसे राज्यों में ई.डी. द्वारा क्यों कार्यवाही नहीं की जा रही है। जब छत्तीसगढ़ में आंध्र प्रदेश की एफआई.आर के आधार पर कार्यवाही हो रही है ।

काशी के निवासियों ने वाराणसी में पवित्र नदी में डुबकी लगाते समय तीर्थयात्रियों से गंगा नदी की स्वच्छता की अपील की।

कांग्रेस का घोषणा पत्र जन आकांक्षाओं को पूरा करेगा

2018 के घोषणा पत्र में से कांग्रेस ने 36 में से 34 वायदे पूरा किया..

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस जो कहती है वह करती है। इस बार भी कांग्रेस का घोषणा पत्र जन आकांक्षाओं को पूरा करने वाला होगा। 2018 में कांग्रेस ने अपने जन घोषणा पत्र में किसान, आदिवासी, युवाओं, महिलाओं सभी से वायदा किया था और उसको पूरा किया। 2023 में हमारे घोषणा पत्र में हर वर्ग का पूरा ख्याल रखा जायेगा। जनता कांग्रेस के घोषणा पत्र और उनको किये गये वायदों को गंभीरता से लेती है तथा उस पर भरोसा भी करती है जनता जानती है कांग्रेस का घोषणा पत्र उसकी सरकार विजन डाक्यूमेंट होता है। हम आम आदमी को सशक्त बनाने योजना बनायेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि 2018 में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पहले ही घंटे में कांग्रेस के घोषणा पत्र को पूरा करना शुरू कर दिया था। 20 लाख किसानों का 10 हजार करोड़ कर्ज माफ किया गया, उसके बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुख्यसचिव को बुला कर कांग्रेस का जनघोषणा पत्र देकर यह सुनिश्चित करने को कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र के हर वायदे को पूरा करने हेतु कार्य योजना बनाया जाये इसी का परिणाम था कि पौने पांच साल में भूपेश सरकार ने 36 में से 34 वायदों को पूरा कर दिखाया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि तीन बार 2003, 2008, 2013 के चुनाव में भाजपा ने अपने घोषणा पत्र के फ्रंट पेजों में जो 31 वायदा किया था।

छत्तीसगढ़ में अगले चार दिनों में तीन डिग्री सेल्सियस बढ़ेगा तापमान,बारिश के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदलने वाला है और आज शनिवार को अधिकतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होगा। उसके बाद अगले चार दिनों में अधिकतम तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी। विभाग का कहना है हालांकि कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार है। लगभग सप्ताहभर से मानसून पर ब्रेक लगा हुआ है। पांच दिन बाद सावन का दूसरा महीना भी समाप्त हो जाएगा। इस बीच अंतिम दो दिनों में मानसून की सक्रियता के संकेत जरूर मिल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार 28 अगस्त से मानसूनी बारिश हो सकती है। बारिश न होने से अब अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी शुरू हो गई है और उमस में भी थोड़ी बढ़ोतरी हो रही है। शुक्रवार को रायपुर का अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस प्रकार अधिकतम व न्यूनतम तापमान दोनों में ही एक डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि आने वाले दिनों में भी मौसम का मिजाज अभी ऐसा ही रहेगा।

ननद को मारने भाभी ने दी एक लाख रूपए की सुपारी

रायपुर। अपनी ही ननद की हत्या करने के लिए एक लाख की सुपारी देने वाली आरोपी महिला को घरघोड़ा थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार घरघोड़ा के वार्ड क्रमांक 3, उरांवपारा में गत 21 अगस्त की सुबह रमा उरांव पिता स्वर्गीय मयाराम उरांव (उम्र 30 वर्ष) पर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा सोते समय हमला करने की कोशिश की गई थी। मामले में पुलिस और सायबर सेल की टीम ने मिलकर पड़ताल की तो पता चला कि युवती को मारने के लिए भाड़े पर हत्यारा पहुंचा था। इस गंभीर मामले की बारीकी से छानबीन करने के लिए टेक्निकल डाटा इकट्ठा किया गया तथा सीसीटीवी भी खंगाले गए । इसी क्रम में पीड़िता की भाभी की संदेहास्पद भूमिका परिलक्षित होने पर जब हिकमत अमली से पूछताछ की गई तो सारा मामला खुला। जिस पर रमा की भाभी धनकुंवर तिग्गा ने अपने खुलासे में बताया कि उसका पति रामलाल एसईसीएल कर्मचारी है। जिसकी तीन बहने हैं उनमें से बाकी दो की शादी हो चुकी है और रमा बस अविवाहित बची है। शादी होकर आने के कुछ साल बाद से ही इसकी सास रंगवती और इसकी ननद रमा अक्सर खेत मकान और जमीन के बंटवारे को लेकर झगड़ा विवाद करते रहते हैं और इसके घर के ठीक सामने रहते हैं। चूंकि रमा की शादी भी नहीं हो रही थी, इसलिए एक दिन तंग आकर जब उसने अपनी छोटी बहन दिशा भगत से इस बारे में चर्चा की तो दोनों ने मिलकर रमा को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया।

शांति पूर्ण एवं सुचारू विधानसभा चुनाव की तैयारी

नक्सल विरोधी अभियानों एवं कानून व्यवस्था पर चर्चा की

- अन्तर्राज्यीय समन्वय हेतु छत्तीसगढ़ के सभी सीमावर्ती राज्यों के साथ पुलिस महानिदेशक स्तर की
- अन्तर्राज्यीय समन्वय हेतु छत्तीसगढ़ के सभी सीमावर्ती राज्यों के साथ पुलिस महानिदेशक स्तर की बैठक सम्पन्न
- अन्तर्राज्यीय समन्वय हेतु भविष्य में रेंज, जिला, अनुविभाग एवं थाना स्तर पर आयोजित होंगी समन्वय बैठक

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण एवं सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से आज पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर में सीमावर्ती राज्यों ओड़िशा, झारखण्ड, मध्यप्रदेश के साथ अन्तर्राज्यीय समन्वय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नक्सल विरोधी अभियानों एवं कानून-व्यवस्था संबंधी आपसी समन्वय एवं रणनीति तैयार करने हेतु विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में पुलिस महानिदेशक ओड़िशा श्री सुनील कुमार बंसल, पुलिस महानिदेशक, छत्तीसगढ़ श्री अशोक जुनेजा एवं पुलिस महानिदेशक झारखण्ड श्री अजय कुमार सिंह के अलावा केन्द्रीय एजेंसियों, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों क्रमशः सीआरपीएफ बीएसएफ आईटीबीपी एवं छत्तीसगढ़ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी तथा बालाघाट जोन, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य अंतर्गत बस्तर, राजनांदगांव, रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक शामिल हुए।

इन पड़ोसी राज्यों से लगे छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती जिलों के पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस महानिरीक्षक रेंज बिलासपुर एवं सरगुजा, बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। बैठक में जानकारी दी गई कि पूर्व में 25 जुलाई 2023 को हैदराबाद, तेलंगाना में सीमावर्ती राज्य, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना एवं महाराष्ट्र, 19 अगस्त 2023 को इंदौर मध्यप्रदेश में सीमावर्ती राज्य महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश एवं उत्तप्रदेश के साथ अन्तर्राज्यीय समन्वय बैठक सम्पन्न हुई है। इसी प्रकार आज चुनाव के पूर्व छत्तीसगढ़ के सभी सीमावर्ती राज्यों के साथ पुलिस महानिदेशक स्तर की बैठक सम्पन्न हो चुकी है। बैठक में बेहतर अन्तर्राज्यीय समन्वय हेतु भविष्य में रेंज, जिला, अनुविभाग एवं थाना स्तर पर समन्वय बैठकों के आयोजन का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से माओवादी परिदृश्य एवं चुनावी प्रक्रिया को बाधित करने हेतु माओवादी रणनीति की समीक्षा की गई तथा सुरक्षा बलों की काउण्टर रणनीति पर चर्चा की गई। अन्तर्राज्यीय सीमावर्ती क्षेत्रों में माओवादियों के विरूद्ध संयुक्त कार्यवाही, माओवादियों के सप्लाई नेटवर्क को अवरूद्ध करने हेतु कार्यवाही, सीमावर्ती सुरक्षा विहीन क्षेत्रों में नवीन फारवर्ड कैम्पों की स्थापना एवं अन्तर्राज्यीय संयुक्त अभियानों के संचालन, सीमावर्ती थाना/कैम्पों के मध्य आपसी समन्वय पर विचार विमर्श किया गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-संदीप तिवारी द्वारा अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग-मोवा रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9301031000, 0771-6556444 bharatbhaskar222@gmail.com